हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार, 30 नवंबर 2025

तापमान
अधिकतम 20 .5 डिग्री
न्यूनतम 7 .8 डिग्री

10 नगाड़ा पार्टी ने पहले दिन मचाया धमाल डेरू के वादन पर जमकर थिरके कलाकार

10 भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया यात्रियों को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए जागरूक

खबर संक्षेप

नाबालिग लड़की को घर से भगाकर बनाए संबंध

यमुनानगर। शहर जगाधरी थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी से युवक नाबालिग लड़की को बहला फुसला कर अपने साथ भगाकर ले गया। जहां आरोपी ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने घर पहुंच कर घटना के बारे में बताया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर छह पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार शहर जगाधरी थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 नवंबर को उनकी कॉलोनी का ही युवक साजन उसकी 16 वर्षीय छोटी बहन को बहला फुसला कर अपने साथ भगाकर ले गया।

नाबालिग को शादी का झांसा देकर किया अगवा

यमुनानगर। साढ़ौरा थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक शादी का झांसा देकर नाबालिग लड़की को अगवा करके ले गया। पुलिस ने लड़की के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार साढ़ौरा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 नवंबर को उसकी 17 वर्षीय बेटी किसी काम से घर से बाहर गई थी। मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी।

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

यमुनानगर। जिले में अलग-अलग दो स्थानों पर हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शहर के विशाल नगर निवासी इरफान ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पिता 48 वर्षीय माजीद अपनी बाइक से शहर के 200 क्वार्टर के पास से जा रहा था। जब वह बटाला कांटा चौक के पास पहुंचा तो पीछे से तेज गति से आ रहे ट्रक ने उसके पिता की बाइक को टक्कर मार दी।

अवैध देसी पिस्तौल के साथ युवक काबू

पानीपत। ऑपरेशन ट्रैक डाउन के तहत सीआईए टू पुलिस टीम ने शुक्रवार शाम को विकास नगर में एक युवक को अवैध देशी पिस्तौल व जिंदा रौंद के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान यूपी के शामली के तितरवाडा गांव निवासी धोला के रूप में हुई है। सीआईए टू प्रभारी इंस्पेक्टर सुमित ने बताया कि सूचना के आधार पर विकास नगर में गली नंबर 27 से एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान धोला पुत्र लियाकत निवासी तितरवाडा शामली यूपी के रूप में बताई।

महोत्सव में पहुंचे पर्यटक।

सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

ब्रह्मसरोवर का आकर्षक दृश्य।

शिल्पकारों की शिल्पकला व कलाकारों की कला ने बदली ब्रह्मसरोवर की फिजा

ढोल की धाप और बीन के लहरे पर पर्यटक भाव विभोर होकर झूमते नजर आ रहे है। महोत्सव में आने वाला हर एक पर्यटक इस महोत्सव की जमकर प्रशंसा कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सवः विश्व पटल पर अपनी अनोखी छाप छोड़ रहा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

ब्रह्मद्दसरोवर के पावन तट पर 15 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक चलने वाले अंतर्राष्टद्द्रीय गीता महोत्सव ने विश्व पटल पर अपनी एक अनोखी छाप छोडऩे का काम किया है। इतना ही नहीं इस अंतर्राष्टद्द्रीय गीता महोत्सव की गूंज देश प्रदेश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी सुनाई दे रही है। अहम पहलू यह है कि इस महोत्सव के 15 वें दिन भी पर्यटक महोत्सव को निहार रहे है। ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर शनिवार को इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में शिल्पकारों की अनोखी शिल्प कला को देखकर पर्यटक मंत्रमुग्ध हो रहे है, विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों ने अपनी शिल्पकला का अनोखा प्रदर्शन कर पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने का काम कर रहे है और पर्यटक इन शिल्पकारों की शिल्पकला से बनी वस्तुओं की जमकर खरीददारी भी कर रहे है। इन शिल्पकारों की शिल्पकला ने ब्रह्मसरोवर की फिजा का रंग बदलने का काम किया है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रदेश सरकार और प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के 15वें दिन विभिन्न राज्यों से आए लोक कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश की सांस्कृतिक लोक कला से पर्यटकों को झूमने पर मजबूर किया है। इतना ही नहीं ढोल की धाप और बीन के लहरे पर पर्यटक भाव विभोर होकर घूमते नजर आ रहे है। महोत्सव में आने वाला हर एक पर्यटक इस महोत्सव की जमकर प्रशंसा कर रहा है। विभिन्न राज्यों से आए हुए लोक कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश की लोक संस्कृति को उजागर करने का काम किया है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव विलुप्त हो चुकी सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने का एक बड़ा मंच साबित हो रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में आने वाले हर कोई पर्यटक इन लम्हों को अपने-अपने कैमरों में कैद करते हुए नजर आ रहे है।

बघेली, भीली, कोरकू व मालवी जैसे व्यजंन बढ़ा रहे है पर्यटकों का स्वाद

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में दूर दराज से आने वाले पर्यटकों को मध्य प्रदेश के बघेली, भीली, कोरकू और मालवी जैसे व्यजंन स्वाद बढ़ा रहें है। इस महोत्सव में पहली बार पर्यटकों को मध्य प्रदेश की परम्परागत डिश चखने को मिल रही हैं। इस वर्ष प्रदेश सरकार की तरफ से मध्य प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में पार्टनर राज्य के रूप में आमंत्रित किया है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में प्रदेश सरकार की तरफ से पार्टनर राज्य के रूप में मध्यप्रदेश को आमंत्रित किया गया था। इस प्रदेश ने ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग के साथ पैवेलियन की स्थापना की गई हैं। इस पैवेलियन में मध्यप्रदेश के परम्परागत बघेली, भीली, कोरकू और मालवी जैसे व्यजंन रखे गए है। इन व्यंजनों का देश-विदेश से आने वाले पर्यटक स्वाद चख रहे है। इनमें से अधिकतर पर्यटक ऐसे है जिनमें पहली बार मध्यप्रदेश की डिश चखने को मिली हैं। मध्यप्रदेश से आए मंशाराम हरदा, मधू सूधन, संतोष द्विवेदी, अजय सिसोदिया का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 में पहली बार कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर आए है। इस बार पर्यटकों के लिए मध्यप्रदेश के परंपरागत व्यंजन, लोक कलाएं जिनमें अहिराई, गुदुम बाजा जैसे लोक नृत्य प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके अलावा मध्य प्रदेश के ग्रामीण आंचल में छिपे इतिहास को भी पैवेलियन में दिखाने का प्रयास किया गया हैं।

पवित्र ग्रंथ गीता पूरी मानवता की समस्याओं के समाधान करने का है एक मात्र पवित्र ग्रंथ

शाहबाद। शाहबाद की एसडीएम डॉक्टर चिनार सनसनवाल ने कहा कि गीता एक ऐसा ग्रंथ है जिसको जितनी बार पढ़ा व सुना जाए, हर बार नया व्याख्यान देखने को मिलता हैं। गीता स्वयं हर सवाल का जवाब है और आज गीता को देश के साथ साथ विदेशों के लोग भी पढ़ रहें हैं। उन्होंने कहा कि गीता 700 श्लोकों में समाई है, जो जीवन की सार्थकता को बताते हैं। शाहबाद की एसडीएम शनिवार को शाहबाद के मारकंडेश्वर मंदिर मैं आयोजित जिला स्तरीय गीता जयंती समारोह के दूसरे दिन प्रातः कालीन सत्र में विभिन्न स्कूलों के बच्चों की विभिन्न तरह की प्रतियोगिताओं के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने सबसे पहले श्रीमद् भगवद् गीता की पुस्तक पर पुष्प अर्पित किए तथा पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता मात्र एक ग्रंथ ही नहीं अपितु पूरी मानवता के लिए एक ऐसा ग्रंथ है जिसको पढकर मानव का जीवन सफल हो जाता हैं। शाहबाद में पहली बार गीता जयन्ती समारोह का आयोजन हुआ हैं, यह आयोजन चार दिन का है और 1

दिसम्बर तक आयोजन चलेगा। कार्यक्रम में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल लक्ष्मी प्रसाद ने भी गीता पर अपना व्याख्यान दिया।कार्यक्रम में मंच का संचालन एआईपीआरओ बलराम शर्मा ने किया। इस मौके पर एसडीएम ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे निबंध प्रतियोगिता, सांस्कृतिक प्रतियोगिता,पेंटिंग प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, क्राफ्ट प्रतियोगिता और श्लोक उच्चारण प्रतियोगिताओं के बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

उद्यान विभाग के स्टाल पर सब्जियों एवं फलों की किस्मों की जानकारी ले रहे पर्यटक

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में उद्यान विभाग, हरियाणा द्वारा स्टाल लगाई गई। इस स्टाल पर संरक्षित खेती के माध्यम से तैयार की जाने वाले फल एवं सब्जियों को प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा उच्च गुणवत्ता की सब्जियों की पौध एवं फलदार पौधों को भी दर्शकों को दिखाने के उद्देश्य से रखा गया। प्रतिदिन भारी संख्या में विभाग की स्टाल पर लोग पहुंच रहे है ओर सब्जियों एवं फलों से संबंधित जानकारी हासिल कर रहे हैं। बड़ो के साथ-साथ बच्चे भी सब्जियों एवं फलों की किस्मों को देख रहे हैं। फलदार पौधों की जानकारी हासिल की गीता महोत्सव में मध्यप्रदेश से पहुंचे किताब सिंह, रमेश कुमार, सतीश ने फलदार पौधों के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने स्टाल पर रखे गए प्रत्येक फलदार पौधों व फलों के बारे में विशेषज्ञों से ज्ञान प्राप्त किया व पौधों को कहा से लिया जा सकता है।

धूल-मिट्टी गई, अब बस क्यू शेल्टर में आराम से करें बसों का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी के लोगों को पहले धूल-मिट्टी में खड़े रहते हुए बसों का इंतजार करना पड़ता था। मगर अब हमने बेहतरीन बस क्यू शेल्टर बनाकर दिए हैं जहां यात्री आराम से इंतजार कर सकते है। हम लोकल बस सेवा के रुट में आने वाले सभी बस स्टॉप पर शेल्टर बनाएंगे। अभी 23 बस क्यू शेल्टर बन रहे हैं जिनमें से कुछ बन चुके हैं और शेष जल्द बनाए जाएंगे। बस क्यू शेल्टर में पंखे, बैठने की व्यवस्था आदि पूरा इंतजाम किया गया है ताकि यात्रियों को पूरी सुविधा मिल सके।

विज शनिवार को अंबाला छावनी सिविल अस्पताल के निकट नवनिर्मित बस क्यू शेल्टर के उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंबाला छावनी में पहले 25 साल से लोकल बसे रूकी थी। अब 25 बसें चल रही है जिनमें से 15 इलेक्ट्रिक है। कुछ मिनी बसें चल रही हैं। उन्होंने बताया कि बस क्यू शेल्टर पर टाइम टेबल लगाया गया है और हर बस को यही पर रूकने के निर्देश दिए गए हैं। बसों में ट्रैकिंग सिस्टम भी लगा रहे हैं जिससे पता चल सकेगा कि कौन सी बस कहां पर खड़ी है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में यदि बस स्टैंड के अलावा बस कहीं और खड़ी हुई तो कार्रवाई होगी। बसों में ट्रैकिंग सिस्टम से बस की लोकेशन का पता कंप्यूटर पर लग जाएगा। इसकी बकायदा एक ऐप भी बना रहे हैं, जिससे मोबाइल पर बस की लोकेशन का पता चल सकेगा।

इन स्थानों पर होंगे बस क्यू शेल्टर

कैपिटल चौक, सिविल अस्पताल चौक, सुभाष पार्क, बब्याल व बोह में बस क्यू शेल्टर बन चुके हैं। इसके अलावा चुंगी चौक, टुंडला, डिफेंस कॉलोनी, कलरहेड़ी, शास्त्री कॉलोनी, डीआरएम ऑफिस, सुंदर नगर, चंद्रपुरी कॉलोनी, मच्छौंडा, शाहपुर, बीडी फ्लोर मिल, हाथीखाना मंदिर, रंगिया मंडी चौक, नन्हेड़ा, एसडी कॉलेज, महेशनगर, टांगरी बांध मोड व दलीपगढ़ में जल्द इनका निर्माण होगा। इस अवसर पर जीएम रोडवेज अश्वनी डोगरा, नगर परिषद अध्यक्ष स्वर्ण कौर, उपाध्यक्ष ललता प्रसाद, भाजपा पदाधिकारी रवि बुद्धिराजा, प्रवेश शर्मा, हर्ष बिंद्रा, बिजेंद्र चौहान, सुरेंद्र बिंद्रा, जसबीर सिंह जस्सी, संजीव सोनी, आशीष अग्रवाल, रवि सहगल, भरत कोछड़, रशमी वर्मा, शिव काकरान, शिल्पा पासी, मदन लाल शर्मा के अलावा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गीता जीवन जीने का मार्ग और शांति का स्रोतः केंद्रीय मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गीता जीवन जीने का मार्ग और शांति का स्रोत है। कुरुक्षेत्र की पावन धरती पर महाभारत के युद्ध के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का संदेश दिया था। यह सन्देश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उस काल में था। उन्होंने कहा कि युद्ध के मैदान में दिया शांति का स्रोत ही गीता को दुनिया में एक अद्वितीय ग्रंथ बनाता है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल शनिवार को ब्रह्मसरोवर के पुरुषोत्तमपुरा बाग में आयोजित संत सम्मेलन में बोल रहे थे। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक एवं पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, जूनागढ़ अखाड़े के महामंडलेश्वर अवधेशानंद महाराज, दिनेशानंद महाराज, कपिल मुनि महाराज, गोपाल दास महाराज, शिव कुमार स्वामी, भैया जी महाराज, भूपेंद्र सिंह महाराज, संपूणानंद महाराज सहित अन्य संत-महापुरुष उपस्थित रहें। मुख्य अतिथियों व सभी संत महापुरुषों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और पवित्र ग्रन्थ गीता का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गीता का उपदेश मानवता का शाश्वत ज्ञान

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन भूमि से भगवान कृष्ण द्वारा दिया गीता का उपदेश मानवता का शाश्वत ज्ञान है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र अब केवल एक क्षेत्र नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय गीता की भूमि के रूप में प्रतिष्ठित हो गया है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिया गया उपदेश आज भी मानवता को सही दिशा देने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड सरकार देवभूमि की संस्कृति और पारंपरिक धरोहरों को सहजने का काम कर रही है।

गीताः सर्वकालिक आध्यात्मिक प्रबंधन ग्रंथ

मध्य प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि गीता केवल एक धर्मग्रंथ नहीं, बल्कि योग शास्त्र ब्रह्मविद्या और मानव मनोविज्ञान की सर्वश्रेष्ठ कृति है। उन्होंने कहा कि आज से लगभग 5000 वर्ष पूर्व मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी के दिन, कुरुक्षेत्र की इसी रंगभूमि में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने अर्जुन के मोह और विषाद से घिर जाने पर जिस अमृतमयी वाणी का उद्घोष किया। उन्होंने गीता को सर्वकालिक, सार्वभौमिक और सार्वभौम बताते हुए कहा कि यह प्रबंधन, मनोविज्ञान, नेतृत्व, नैतिकता और आध्यात्म का सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ है।

गीता में समाहित ज्ञान में ही विश्व शांति और सद्भावना का मार्ग निहित

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि गीता में समाहित ज्ञान में ही विश्व शांति और सद्भावना का मार्ग निहित है। यह हमें द्वेष, भय और मोह से मुक्त होकर समभाव से जीवन जीने की शिक्षा देती है, जो वैश्विक एकता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हमें गीता के उपदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। निष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करना ही गीता के सार का सच्चा अनुसरण है। उन्होंने कहा कि 1 दिसम्बर को केशव पार्क में वैश्विक गीता पाठ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें 21 हजार बच्चे एक साथ गीता पाठ करेंगे। सुबह 11 बजे 1 मिनट एक साथ गीता का पाठ किया जाएगा।

निजी स्कूलों के प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर समस्याओं का समाधान करवाया जाएगा

- धारा 134A, आरटीई, चिराग योजना और स्कूल बस नियमों पर विस्तृत चर्चा

हरिभूमि न्यूज करनाल

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि करनाल के निजी स्कूलों की समस्याओं के समाधान के लिए वे आगामी दिनों में स्कूलों के एक प्रतिनिधिमंडल को चंडीगढ़ बुलाकर संबंधित उच्चाधिकारियों के साथ उनकी विस्तृत चर्चा करवाएंगे।

उन्होंने कहा कि तकनीकी और नीतिगत दिक्कतों का समाधान तभी संभव है जब अधिकारी और स्कूल प्रबंधन आपस में बैठकर मुद्दों की जड़ को समझें।

उन्होंने कहा कि एनसीआर यानी डेवलपमेंट प्लान तैयार करने में कई चुनौतियाँ आती हैं, लेकिन इन सभी का लक्ष्य हरियाणा का सर्वांगीण विकास है। "इसी व्यापक विकास सोच का परिणाम है कि आज हरियाणा प्रगति के पथ पर तेज़ी से अग्रसर है।" विधानसभा अध्यक्ष शनिवार शाम टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सहोदय स्कूल और करनाल इंडिपेंडेंट स्कूल एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

134A, बस नियम, चिराग योजना व अन्य मुद्दों पर चर्चा

कार्यक्रम से पहले 'चाय पर चर्चा' के दौरान स्कूल संचालकों ने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष धारा 134**A** (हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियमावली), आरटीई, चिराग योजना, स्कूल बसों से संबंधित नियमों व अन्य जटिल मुद्दों को विस्तार से रखा।

मुस्लिम समुदाय के लोगों ने असमाजिक तत्वों पर लगाया मस्जिद गिराने का आरोप

रत्तूवाला में संदिग्ध हालत में नीचे गिरी आजादी से पहले की मस्जिद

- साढ़ौरा थाना में पहुंचकर मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग
- पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने मौके पर पहुंचकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को दिया मामले में जांच करके कार्रवाई का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

साढौरा थाना के गांव रत्तूवाला में देश की आजादी से पहले बनी मस्जिद बीती रात संदिग्ध हालत में नीचे गिर गई। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने असमाजिक तत्वों पर मस्जिद गिराने का आरोप लगाया और साढ़ौरा थाने में पहुंचकर इसका विरोध जताया। समुदाय के लोगों ने मस्जिद गिराने वाले असमाजिक तत्वों का पता लगाकर कार्रवाई करने की मांग की। है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उधर, ग्रामीणों ने मस्जिद की छत वर्षों पहले ही नीचे गिरने की बात कही है। जानकारी के अनुसार गांव रत्तूवाला में आजादी से पहले की मस्जिद बनी हुई थी। गत शुक्रवार रात मस्जिद संदिग्ध हालत में नीचे गिर गई। इसके बारे में जब मुस्लिम समुदाय के लोगों को पता चला तो वह मौके पर एकत्रित हो गए और असमाजिक तत्वों पर मस्जिद ढ़हाने का आरोप लगया। इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लोग साढ़ौरा थाना में पहुंचे और मस्जिद गिराने का विरोध जताया। समुदाय के लोगों ने बताया कि गांव रत्तूवाला में देश की आजादी से पहले मुस्लिम समुदाय के द्वारा मस्जिद बनाई गई थी। देश के बंटवारे के समय किसी कारणवश गांव में रहने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों को वहां से जाना पड़ा। मगर मस्जिद तब से अब तक वैसे ही खड़ी हुई थी। जिसकी लगातार मुस्लिम समुदाय के द्वारा देखरेख भी की जा रही थी। मगर अब असामाजिक तत्वों ने मस्जिद को गिरा दिया है। असामाजिक तत्व आपसी सौहार्द को बिगड़ने का प्रयास कर रहे हैं। जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, डीएसीप रजत गुलिया व एसडीएम जसपाल गिल आदि मौके पर पहुंचे और मुस्लिम समुदाय के लोगों को मामले की जांच करके कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया।

यमुनानगर। रत्तूवाला में संदिग्ध हालत में गिरी मस्जिद का जमीन पर पड़ा हुआ मलबा।

रत्तुवाला में नहीं है मुस्लिम समाज का कोई घर

रत्तुवाला के सरपंच प्रतिनिधि सागर, नंबरदार रघुबीर सिंह, नंबरदार परमाल सिंह, पूर्व सरपंच बलबीर सिंह व पूर्व सरपंच कुलदीप ने एसपी कमलदीप गोयल को बताया कि उनके गांव में मुस्लिम समाज का एक भी घर नहीं है। जिस ढांचे को मस्जिद बताया जा रहा है वहां कभी भी इबादत नहीं की गई और ना ही कोई इमाम देखा गया। उन्होंने कहा कि मस्जिद की छत करीब चालीस साल पहले ही ढ़ह गई थी। बारिश में मस्जिद की दीवारों का मलबा गली में गिर गया था। जिसकी वजह से यहां से आवाजाही में मुश्किल हो रही थी। आसपास रहने वालों ने इस मलबे को हटाने के लिए पंचायत से अनुरोध किया था। मगर पंचायत ने मलबा नहीं उठाया। जिसके बाद कुछ लोगों ने मलबे को खुद ही गली से हटा दिया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने इन लोगों पर मस्जिद तोड़ने का झूठा आरोप लगा दिया। सरपंच प्रतिनिधि सागर ने बताया कि मस्जिद का जो स्थान है उसे सात वर्ष पहले प्रशासन ने आबादी के अंदर मौजूद होने की वजह से इस स्थान की रजिस्ट्री पंचायत के नाम कर दी थी। जिसके बाद से यह जगह पंचायत के नाम ही चली आ रही है

खबर संक्षेप

विज्ञापन प्रतियोगिता में छाईं छात्राएं

करनाल। डॉ. गणेश दास डीएवी महिला शिक्षण महाविद्यालय की छात्राओं ने शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत "कॉमर्स संगठन" द्वारा आयोजित विज्ञापन निर्माण प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता एसडी गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित की गई, जिसमें छात्र-अध्यापिकाओं और स्कूली विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन शिक्षक प्रशिक्षण प्रभारी सुश्री शिवा शर्मा ने किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राकेश संधू ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों में व्यवहारिक ज्ञान, नवाचार और सामुदायिक जुड़ाव की समझ को विकसित करती हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

गीता श्लोकोच्चारण में स्वास्तिक का द्वितीय स्थान

कुरुक्षेत्र। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2025 के तहत जयराम विद्यापीठ कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित गीता श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता में गुरुकुल के छात्र स्वास्तिक आर्य ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर गुरुकुल की ख्याति को बढ़ाया है। गुरुकुल के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार व प्राचार्य सूबे प्रताप ने स्वास्तिक को बधाई और शुभकामनाएं दीं साथ ही प्रतियोगिता की तैयारी करवाने वाले संगीत शिक्षक बलवन्त सिंह और शुभम् आर्य की भी पीठ थपथपायी। निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार ने बताया कि शुक्रवार को श्रीजयराम विद्यापीठ कुरुक्षेत्र में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 35 टीमों ने भाग लिया।

वैराग्य से मन को एकाग्र करना संभवः जयदीप

कुरुक्षेत्र। हरियाणा योग आयोग द्वारा ब्रह्मसरोवर स्थित मेडिटेशन हॉल में आयोजित तीन दिवसीय ध्यान योग शिविर के पहले दिन आयोग के कर्मठ एवं यशस्वी अध्यक्ष डॉ जयदीप आर्य, वाइस चेयरमैन डॉ रोशन लाल, रजिस्टरार डॉ राजकुमार वैद, सदस्य डॉ मनीष कुकरेजा, मानव उत्थान सेवा समिति से महात्मा अंतमुर्खी बाई, महात्मा सुभद्रा बाई एवं डॉ सुमन चौधरी, आयुष विभाग से डॉ जागीर सिंह, आयुष विश्वविद्यालय से डॉ संगीता आदि रहे।

सरकारी स्कूल छारपुरा के बच्चों को भेंट की ड्रेस

कुरुक्षेत्र। जलता रहे शिक्षा का दीप, हर कोई बने शिक्षित..., इसी सोच के साथ डेरा सच्चा सौदा के ब्लॉक पिपली-उमरी के सेवादारों ने गांव छारपुरा के सरकारी स्कूल के सभी बच्चों को पूरी वर्दी भेंट की है। बच्चों को दी गई वर्दी में जर्सी, पैंट शर्ट, टाई-बेल्ट, जुराबें व जूते शामिल रहे। जैसे ही बच्चों ने अपने हाथों में विद्यालय की पूरी वर्दी को अपने हाथों में थामा तो बच्चे खुशी से झूम उठे। बच्चों ने सेवादारों से वायदा भी किया कि वे रोजाना वर्दी में ही स्कूल में आएंगें व स्वच्छता का पूरा-पूरा ध्यान रखेंगें। वहीं विद्यालय की मुख्य शिक्षिका पूजा मलिक ने डेरा सच्चा सौदा के सभी सेवादारों का धन्यवाद किया।

हलके के सभी 104 गांव मेरा परिवार: हरविंद्र कल्याण

विधानसभा अध्यक्ष ने 1.20 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

80 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक केन्द्र का करा जा रहा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को गांव कालरों में लगभग 1.20 करोड़ रुपये से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उन्होंने गांव में लगभग 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक केन्द्र तथा लगभग 40 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गली के निर्माण का शिलान्यास किया। गांव में पहुंचने पर गांववासियों ने विधानसभा अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ व फूल मालाएं पहनाकर गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि उनका हमेशा यह प्रयास रहता है कि हर गांव हर क्षेत्र का ज्यादा विकास हो और विधानसभा का कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता न रहे। उन्होंने कहा कि हल्के के सभी 104 गांव मेरा परिवार हैं। हरियाणा सरकार ने पिछले कार्यकाल में भी करोड़ों रुपये से विकास कार्य करवाएं हैं, उसमें चाहे लड़कियों के लिये स्कूल बनवाना हो, कॉलेज का निर्माण करवाना हो, आईटीआई, एनसीसी अकादमी का निर्माण, मैडिकल यूनिवर्सिटी का निर्माण हो, शुगर मिल का निर्माण, रिंग रोड के निर्माण के कार्य सहित ऐसे बहुत से कार्य हैं जो इस क्षेत्र की तरक्की में सहयोग करेंगे। हमारी सरकार अस्पतालों, पुलों, सड़कों, स्कूलों सहित सभी बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली से करनाल तक रेपिड रेल चलाई जाएगी। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों के होने से क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे तथा चरणबद्ध तरीके से सभी कार्यों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कई विकास कार्यों की स्वीकृति की प्रक्रिया जारी है तथा जल्द ही उन्हें भी करवाने का काम किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर लोगों को अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाने के लिये प्रेरित किया। हमारी सरकार द्वारा योग्य युवाओं को मैरिट के आधार पर नौकरी प्रदान की जा रही है।

घरौंडा। विकास कार्यों का उद्घटन करते विधानसभाध्यक्ष।

सामुदायिक केंद्र से लोगों को होगा लाभ

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि गांव में 80 लाख रुपये की लागत से 0.75 एकड़ में बनने वाला यह सामुदायिक केन्द्र गांव वासियों के लिये काफी लाभदायक सिद्ध होगा। गांववासी यहां पर अपने सामाजिक कार्य कर सकेंगे। इस सामुदायिक केन्द्र में 140 लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही सामुदायिक केन्द्र में दो कमरों के अलावा रसोई तथा शौचालय का निर्माण भी किया जाएगा। इस अवसर पर एसडीएम घरौंडा राजेश सोनी, मार्किट कमेटी चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, सरपंच प्रतिनिधि दीपेन्द्र राणा सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

घरौंडा। लोगों की समस्याएं सुनते विधानसभाध्यक्ष

विधानसभा अध्यक्ष ने सुनीं समस्याएं अफसरों को समाधान के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा विधायक हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत लोगों की समस्याएं सुनीं व उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि उनका प्रयास है कि आमजन से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सके। ताकि प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को मिल सके। उन्होंने कहा कि हलके में विकास कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। जनता को अधिक से अधिक विकास परियोजनाओं की सौगात मिले, इसको लेकर वे निरंतर प्रयासरत हैं।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सभी लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की शिकायतों को गंभीरता से लें और तत्काल समाधान करें। उन्होंने कहा कि जनता के लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले हैं तथा घरौंडा हलके का विकास उनकी प्राथमिकता है।

करनाल। **योगाभ्यास करते साधक।** फोटो: हरिभूमि

शनिवार को ब्लैक ड्रेस में किया योगाभ्यास

करनाल। काले रंग को शनि देव का प्रतीक मानते हुए 'हमारा मिशन स्वस्थ भारत' योगा टीम ने शनिवार को मानव सेवा संघ स्थित योगशाला में विशेष योग सत्र किया। टीम के सभी सदस्यों ने परंपरा के अनुरूप ब्लैक ड्रैस पहनकर विभिन्न आसन और ध्यानाभ्यास किए। सर्द मौसम की शुरुआत के चलते इस सप्ताह से योगाभ्यास खुले स्थान की बजाय संघ के इंडोर हॉल में स्थानांतरित कर दिया गया है, ताकि प्रतिभागियों को ठंड से बचाव के साथ बेहतर वातावरण मिल सके। योगाचार्य नवीन संदूजा ने कहा कि शास्त्रों में शनिवार को काले वस्त्र धारण करना शनि देव को प्रसन्न करने का एक सरल उपाय बताया गया है। उन्होंने कहा कि काला रंग नकारात्मक ऊर्जा को सोखने तथा बुरी नजर से सुरक्षा प्रदान करने वाला माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार, शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या के प्रभाव को कम करने में भी इसका विशेष महत्व है। कार्यक्रम में मीनाक्षी मित्तल, कविता चौहान, कविता चौबे, प्रतिभा, रुचि, नीलम मदान, शमा, कमल चोपड़ा, राजू मदान, सनी आहूजा, कीमती, मान, अशोक, सोनू, विकास शर्मा आदि रहे।

करनाल। ध्यान सत्र में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों ने ध्यान अभ्यास कराकर पाई मानसिक शांति

करनाल। कुमारी विद्यावती आनंद डीएवी महिला महाविद्यालय में शुक्रवार को "विद्यार्थियों का मानसिक स्वास्थ्य एवं परीक्षाओं के दौरान तनाव प्रबंधन" विषय पर प्रेरणादायक सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में हॉस्टल कमेटी और यूथ रेड क्रॉस द्वारा किया गया। सत्र में ब्रह्माकुमारी संस्था से पधारे अनुभवी वक्ता बीके संजीव भाई ने भावनात्मक संतुलन, एकाग्रता और तनावमुक्त जीवन के व्यावहारिक सूत्र साझा किए। बीके भारती, जो सेल्फ-मैनेजमेंट और क्राइसिस मैनेजमेंट विशेषज्ञ हैं, ने परीक्षा काल में मन को शांत रखने के सरल उपाय बताए। उपस्थित विद्यार्थियों को ध्यान व मानसिक स्थिरता का अभ्यास भी करवाया गया। कार्यक्रम में बीके सुनीता मदान, बीके प्रवीन भाई और बीके आरती की उपस्थिति ने सत्र को और सार्थक बनाया। संचालन डॉ. अनुराधा नागिया और डॉ. दीप्ति शर्मा ने किया।

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान चिब पहुंचे करनाल, राजनीति पर चर्चा

- पराग गाबा व दिव्यांशु बुधिराजा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान चिब शुक्रवार को करनाल पहुंचे, जहां आगमन पर जिला कांग्रेस शहरी कार्यालय में उनका ज़ोरदार स्वागत किया गया। शहरी जिला कांग्रेस अध्यक्ष पराग गाबा और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी दिव्यांशु बुधिराजा के नेतृत्व में सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। उदय भान चिब ने स्थानीय नेतृत्व के साथ बैठक कर करनाल की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की। पार्टी संगठन की गतिशीलता, युवा कांग्रेस की भूमिका और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर महत्वपूर्ण विमर्श हुआ। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सक्रियता बढ़ाने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का आग्रह किया।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेसियों में झड़प

- वोट चोरी के मुद्दे पर यूथ कांग्रेस द्वारा किए गए राज्य स्तरीय प्रदर्शन के दौरान हुआ भारी हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

वोट चोरी के मुद्दे पर यूथ कांग्रेस द्वारा किए गए राज्य स्तरीय प्रदर्शन के दौरान शनिवार को जिला सचिवालय के बाहर पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी झड़प हो गई। प्रदर्शनकारी डीसी को ज्ञापन सौंपने जा रहे थे, तभी पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें रोक दिया। इसी दौरान दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की और बहस की स्थिति बन गई। कार्यक्रम से पूर्व कांग्रेसी कार्यकर्ता पाठक अस्पताल के निकट फव्वारा पार्क (सेक्टर-12) में इकट्ठा हुए। रैली का नेतृत्व युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय चिब ने किया। उन्होंने मंच से सरकार पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार "वोट चोरी करके सत्ता में पहुंची सरकार" है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें डीसी से मिलने नहीं दिया गया, जबकि वे सिर्फ मांग पत्र सौंपना चाहते थे। उनका कहना था कि पुलिस ने आग्रह के बावजूद रास्ता नहीं खोला और लाठी से आगे बढ़ने से रोका।

यह लगाया आरोप

उदय चिब ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग तक को भाजपा सरकार ने अपने प्रभाव में ले रखा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाने की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक जारी रहेगी। उन्होंने आचार संहिता के दौरान सरकारी सुविधाएं बांटे जाने का भी मुद्दा उठाया और कहा कि महिलाओं को 10-10 हजार रुपये देना खुले तौर पर नियमों का उल्लंघन है। हरियाणा के एक बास्केटबॉल खिलाड़ी की मौत पर उन्होंने सरकार को कठघरे में खड़ा किया और कहा कि खिलाड़ियों की अनदेखी इस सरकार की सबसे बड़ी कमजोरी है। अंत में कांग्रेस जिलाध्यक्ष पराग गाबा, युवक कांग्रेस के जिला और प्रदेश पदाधिकारी मंच पर मौजूद रहे।

इंद्री। शोभायात्रा मे भजनों पर झूमती महिलाएं।

मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य मे निकाली शोभायात्रा

इंद्री। इंद्री के वार्ड नंबर 10 पंजाबी कॉलोनी स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य मे एक शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभा यात्रा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से चलकर पंजाब कॉलोनी की गलियों से होती हुई वापस मंदिर में पहुंची। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह शोभायात्रा पर फूल बरसा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। पूरी यात्रा के दौरान महिलाओं ने नाच गाकर व भजन गाकर इस शोभा यात्रा में चार चांद लगा दिए। इस बारे में जानकारी देते हुए संजय मित्तल व देवेंद्र सहगल ने बताया कि श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में 27 नवंबर को शुरू हुए श्रीराम दरबार, श्री लक्ष्मी नारायण व माता दुर्गा की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस प्राण-प्रतिष्ठा में प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान, श्री लक्ष्मी नारायण व माता दुर्गा की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी।

बदलती जीवनशैली से बढ़ रहे कैंसर के मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

बदलती दिनचर्या, अनियमित खान-पान और फाइबर की कमी जैसी आदतें गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि का कारण बन रही हैं। यह जानकारी बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नई दिल्ली के जीआई ऑन्कोसर्जरी विभाग के डायरेक्टर एवं यूनिट हेड डॉ. मनीष जैन ने पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि पहले जीआई कैंसर आमतौर पर 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में देखा जाता था, लेकिन अब 40 वर्ष से कम आयु वर्ग भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है। भारत में हर 27वां व्यक्ति किसी न किसी रूप में जीआई कैंसर से प्रभावित है। इसी जरूरत को देखते हुए बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने शुक्रवार को करनाल के एनपी रावल हॉस्पिटल में जीआई ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। उद्घाटन डॉ. मनीष जैन और जीआई ऑन्कोसर्जरी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. अभिषेक अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर एनपी रावल हॉस्पिटल के मैनेजिंग एवं मेडिकल डायरेक्टर डॉ. नेत्रपाल रावल, सीनियर सर्जन डॉ. प्रवीन गर्ग सहित अन्य विशेषज्ञ मौजूद रहे। डॉ. रावल ने बताया कि दोनों विशेषज्ञ अब हर महीने के दूसरे और चौथे गुरुवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक करनाल में उपलब्ध रहेंगे। इससे मरीजों को मेट्रो शहरों तक यात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी और समय पर डायग्नोसिस संभव होगा।

गीता जयंती पर निबंध व श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता

करनाल। पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय करनाल में शुक्रवार को गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में निबंध लेखन तथा श्लोकोच्चारण प्रतियोगिताओं का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण में अध्यात्म और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकारी प्राचार्य डॉ. जरनैल सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता की मूल शिक्षा कर्मयोग है। उन्होंने कहा—"मनुष्य का अधिकार केवल कर्म पर है, फल पर नहीं। जब व्यक्ति निष्काम भाव से कर्म करता है, तभी वह सच्चे अर्थों में जीवन के तत्वज्ञान को समझ पाता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. राजेश रांझा ने कहा कि आज का मानव तनाव, चिंता और अस्थिरता से घिरा हुआ है, जबकि गीता मन को नियंत्रित और स्थिर रखने की शिक्षा देती है। उन्होंने गीता के छठे अध्याय का उल्लेख करते हुए कहा—"मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु उसका अनियंत्रित मन है और वही मन साधना से मित्र भी बन सकता है।

मजदूर देश का मजबूत नागरिक, इनके साथ अत्याचार नहीं होने दूंगा: कबीरपंथी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

मनरेगा मजदूर यूनियन के राज्य उप-प्रधान राजेन्द्र कुमार बसतली के नेतृत्व में मनरेगा मजदूर यूनियन व मनरेगा मजदूर एकता मंच के कार्यकर्ताओं ने आज नीलोखेड़ी विधानसभा के विधायक भगवानदास कबीरपंथी के निवास पर जा कर उन्हें अपनी मांगों का ज्ञापन पत्र सौपा। कार्यकर्ताओं ने उन्हें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम यूनियन द्वारा जारी खुली चि_ी मुख्यमंत्री हरियाणा जवाब दो और मनरेगा मजदूरों की मांगें कब पूरी होंगी और भ्रष्टाचार कब रुकेगा की प्रति सौंपी। ज्ञापन में मांग की गई कि विधायक मनरेगा मजदूरों की समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएं और मौजूदा विधानसभा सत्र में समाधान हेतु प्रभावी हस्तक्षेप करें। । इस असवर पर प्रदर्शन में यूनियन उप-प्रधान राजेन्द्र कुमार बसतली, महासचिव सोमनाथ और राज्य कमेटी सदस्य सुरेश कुमार टांक प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के अलावा बबली, खजानी, मेवा, परमल, सुनीता, कस्तूरी, कमलेश, अंगूरी, गीता, बहादुर सिंह गुनियाना, रामफल मोहड़ी आदि शामिल रहे।

तरावड़ी। मनरेगा मजदूर यूनियन के प्रदर्शनकारी विधायक को ज्ञापन देते हुए।

लोककल्याण की भावना से किया गया कर्म अवश्य देता है फल

केंद्रीय मंत्री ने किया गीता महोत्सव में प्रदर्शनी का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

केंद्रीय आवासन, ऊर्जा एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मनुष्य को कर्म करते हुए फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। भाग्य उसी का चमकता है जो निरंतर कर्म करता रहता है। पवित्र मन, निष्काम भाव और लोककल्याण की भावना से किए गए कार्य का फल निश्चित ही प्राप्त होता है।

उन्होंने कहा कि जीवन में गीता के श्लोकों का अध्ययन अवश्य करना चाहिए। "गीता के किसी भी श्लोक का एक वाक्य भी जीवन में उतार लिया जाए, तो संपूर्ण गीता का सार मिल जाता है"—इसी भाव के साथ आगे बढ़ने का उन्होंने आह्वान किया। केंद्रीय मंत्री अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के अंतर्गत डा. मंगलसेन ऑडिटोरियम में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम से पहले उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और स्टालों का अवलोकन भी किया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मनोहर लाल ने कहा कि 2014 तक गीता जयंती महोत्सव केवल कुरुक्षेत्र तक सीमित था, लेकिन बाद में यह प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर का महोत्सव बन चुका है। मनोहर लाल ने कहा कि गीता का संदेश सार्वभौमिक है। यह जीवन जीने का मार्ग दिखाती है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद राजनीति की दिशा और नेताओं के प्रति जनमानस की धारणा में सकारात्मक परिवर्तन आया है।

5 लाख बच्चे लेंगे श्लोकोच्चारण में भाग

5 लाख बच्चे करेंगे श्लोकोच्चारण मनोहर लाल ने बताया कि 7 दिसंबर को पश्चिम बंगाल में होने वाले गीता श्लोकोच्चारण कार्यक्रम में 5 लाख बच्चे भाग लेंगे। इस आयोजन में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी सम्मिलित होंगे। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पूर्व कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का संदेश दिया था। "हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करेगा।" उन्होंने कहा कि पति-पत्नी, पिता-पुत्र, अध्यापक-शिष्य, सैनिक एवं शासक—हर संबंध में प्रत्येक का अपना धर्म है।

खबर संक्षेप

एक्स 10 शूटिंग एकेडमी का शुभारंभ आज

पानीपत। शहर में जीटी रोड पर एसडी कालेज के पास आज रविवार को एक्स 10 स्पोटस शूटिंग एकेडमी का शुभारंभ होगा। यह जानकारी देते हुए एकेडमी के संचालक नीशू भारद्वाज ने बताया कि 30 नवम्बर को सुबह 9 बजे हवन यज्ञ होगा। जबकि 11 बजे रिबन काटकर एकेडमी का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला बाल विकास समिति के अध्यक्ष केडी कौशिक , हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार व भाजपा नेता बलवान शर्मा अहर करेंगे। नीशू भारद्वाज ने कहा कि एकेडमी में युवाओं को कम खर्च के बेहतर सुविधाएं व बहुत ही अच्छी निशानेबाजी सिखाई जाएगी।

इसराना व अहर स्कूलों से हटाए जर्जर पोल

इसराना। हरियाणा सरकार ने स्कूलों में जर्जर हो चुके बास्केटबॉल के पोल हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में जिले के इसराना और अहर गांव के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में प्रशासनिक अधिकारियों ने पुराने और क्षतिग्रस्त बास्केटबॉल पोल गिरा दिए। यह कदम रोहतक के लाखन माजरा और झज्जर के बहादुरगढ़ में हुए हादसों के बाद उठाया गया है। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी इस मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई के आदेश जारी किए। इन्हीं आदेशों के तहत आज इसराना और अहर स्कूलों के ग्राउंड से जर्जर पोल हटाए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि जल्द ही इनकी जगह नए और सुरक्षित पोल लगाए जाएंगे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

करंट से चालक की मौत 51 दिन बाद मामला दर्ज

इसराना। मतलौड़ा स्थित एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले ड्राइवर की 11 अक्टूबर को माल लोड करते समय करंट लगने से मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक के परिजनों की लगातार गुहार के बाद 51 दिन बाद मतलौड़ा थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जींद जिले के खातला गांव निवासी हरिकिशन ने बताया किए उनका 31 वर्षीय बेटा सोमवीर मतलौड़ा स्थित बिर्मी फैक्ट्री में ड्राइवर के पद पर कार्यरत था। सोमवीर के दो नाबालिग बच्चे हैंए एक बेटी और एक बेटा। गत 11 अक्टूबर को सोमवीर मतलौड़ा क्षेत्र की एक अन्य फैक्ट्री में माल लोड करने के लिए गाड़ी लेकर गया था। हाइड्रा से माल लोड किया जा रहा था। जब सोमवीर हाइड्रा की चेन कुप्पी को सेट करने लगाए तो अचानक करंट आ गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

गीता महोत्सव में आज पहुंचेंगे मंत्री कृष्ण पंवार

पानीपत। हरियाणा के पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल रविवार को आर्य महाविद्यालय में आयोजित की जा रही जिला स्तरीय गीता जयंती में रविवार को बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। डीसी डॉ.वीरेंद्र कुमार ने बताया कि इस महोत्सव में जिला भर से स्कूलों के बच्चे बेहतरीन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे रहे हैं व शानदार प्रदर्शनी का भी सभा स्थल पर आयोजन किया गया है। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार रविवार को प्रातः 10 बजे गीता महोत्सव में शिरकत करेंगे और लगाए गए क्राफ्ट मेले का भी अवलोकन करेंगे। दोपहर सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जाएगा।

ऐसे महोत्सव हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं : दुष्यंत भट्ट

पानीपत में गूंजा गीता का स्वर श्लोक, शंखनाद और संस्कृति का संगम

'गीता' केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन का पथ प्रदर्शक : विधायक विज

पानीपत। हवन यज्ञ में भाग लेते विधायक प्रमोद विज, केदार कौशिक व अन्य। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम के दौरान गीता पर प्रस्तुति देते कलाकार।

> स्कूल विद्यार्थियों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया

> कार्यक्रम का शुभारंभ हवन से किया गया, जिसमें पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज, जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, एसडीएम मनदीप कुमार, सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने आहुति डाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

आर्य खेल परिसर में आज जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय गीता महोत्सव के दूसरे दिन का माहौल पूर्णतः आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। मंच से गीता के श्लोकों का शुद्ध उच्चारण होता रहा, कहीं शंखनाद गूंज रहा था तो वहीं स्कूली विद्यार्थियों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ हवन से किया गया, जिसमें पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज, जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, एसडीएम मनदीप कुमार, सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने आहुति डाली। विधायक प्रमोद विज ने कहा की भगवद गीता केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का पथप्रदर्शक है। यह हमें कर्तव्य, साहस और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ने कहा कि गीता के संदेश कालातीत हैं। ऐसे महोत्सव हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं और समाज में नैतिकता व सदाचार को बढ़ावा देते हैं। जबकि शिक्षा मंत्री के भाई हरपाल ढांडा ने बोलते हुए कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में गीता अत्यंत आवश्यक है। यह मन को शांत रखने, निर्णय क्षमता को मजबूत बनाने और चुनौतियों से निडर होकर सामना करने की शक्ति देती है।

एसडीएम मनदीप सिंह ने गीता के उपदेशों का महत्व बताया। स्कूलों के बच्चों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन स्थल पर बनाया गया गीता के सन्देश वाला अर्जुन-कृष्ण का रथ आकर्षण का संदेश दे रहा था। वहीं कार्यक्रम स्थल पर बनाई गई सेल्फी प्वाइंट का बड़ी संख्या में लुफ्त उठाया। डीपीआरओ डॉ.सुनील बसताडा ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बनाते हैं।

इस अवसर पर डीईओ राकेश बूरा, सीडब्ल्यूसी चेयरमैन केदार शर्मा, रविंद्र सैनी, सुनील वत्स, मा.मुकेश आदि मौजूद रहे।

आर्य कॉलेज में गीता प्रदर्शनी का आयोजन

पानीपत। आर्य महाविद्यालय में आयोजित गीता महोत्सव प्रदर्शनी का शहर के विधायक प्रमोद विज ने रीबन काटकर शुभारंभ किया। विधायक विज ने सारे स्टालों का गहन अवलोकन किया और प्रदर्शनी को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, नवाचार और स्वदेशी आत्मनिर्भरता का जीवंत संदेश प्रस्तुत करते हैं। उनके साथ एसडीएम मनदीप कुमार, डीईओ राकेश बूरा, डीपीआरओ डॉ.सुनील बसताडा सहित कई गण मान्य व्यक्ति मौजूद रहे। एसडीएम मनदीप कुमार ने कहा कि स्वदेशी सिर्फ एक विकल्प नहीं, आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद है। स्थानीय हाथों से बने उत्पाद सिर्फ सामान नहीं, हमारी संस्कृति की खुशबू और कारीगरों की मेहनत का सम्मान हैं। प्रदर्शनी में विभागों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टाल अपने-अपने क्षेत्र की उपलब्धियों और योजनाओं को सामने लाने में सफल रहे। कृषि विभाग के स्टाल पर कृषि वैज्ञानिक डॉ.अरविंद, दीपक और नेहा ने विभाग की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं, आधुनिक खेती तकनीकों और लाभकारी फसलों के बारे में आगंतुकों को विस्तार से बताया। पंजाब नेशनल बैंक के स्टाल पर एल.डी.एम. राजकुमार ने डिजिटल फ्रॉड से बचाव, सुरक्षित लेनदेन और केवाईसी की अनिवार्यता के बारे में स्पष्ट और उपयोगी जानकारी दी। इसके अलावा आयुष विभाग की स्टाल पर लगाई गई ओपीडी सुविधा लोगों के लिए विशेष आकर्षण रही।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते अतिथिगण

पानीपत। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक। फोटो : हरिभूमि

स्वाथ्य जांच शिविर आयोजित

पानीपत। सुनील मेमोरियल हॉस्पिटल एवं आई क्लिनिक और आदर्श एक विश्वास सोसायटी के सहयोग से लगाए गए कैंप में 50 लोगों की आंखों व 15 लोगों की कमर, हाथ पैर आदि दर्द को लेकर जांच की गई। यह स्वास्थ्य जांच शिविर जनसेवा दल आशियाना में लगाया गया। इस दौरान डा.संजय सेन ने जांच के बाद लोगों से कहा कि सावधानी में ही सुरक्षा है। बीमारी को लेकर किसी तरह की लापरवाही न बरतें और डॉक्टर से परामर्श लेकर इलाज कराएं। आदर्श एक विश्वास सोसायटी के प्रधान नवीन मुंजाल ने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच आवश्यक है। जनसेवा दल के सदस्य चमन गुलाटी ने कहा कि सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। डॉ.पारस फिजियोथेरेपिस्ट एक्सपर्ट ने सलाह दी कि मरीज समस्या की शुरुआत में फिजियोथेरेपिस्ट से संपर्क करें ताकि सही समय पर इलाज शुरू किया जा सके। इस मौके पर डा.पारस सहगल, डा.वरुण गोगिया, नरेंद्र चौहान, नवीन मुंजाल व चमन गुलाटी आदि मौजूद रहे।

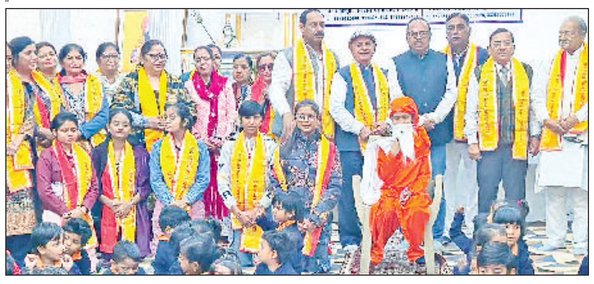

पानीपत। विश्व जागृति मिशन के बाल संस्कार कार्यक्रम का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

बीकेजीएम स्कूल में बाल संस्कार कार्यक्रम आयोजित

पानीपत। सुधांशु जी महाराज एवं डॉ.अर्चिका दीदी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से विश्व जागृति मिशन द्वारा सनौली रोड स्थित बीकेजीएम स्कूल सिद्ध बाबा काशीगरी मंदिर में बाल संस्कार केंद्र कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में अपने धर्म, संस्कृति,सभ्यताए संस्कार तथा नैतिक जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम परिवार जोड़ो अभियान टीम के अंतर्गत किया गया। वीना चुघ ने बच्चों को सूर्य नमस्कार तथा अन्य कई प्रकार के योग आसन सिखा कर स्वस्थ रहने का संदेश दिया। नीलम दत्ता ने एक कविता के माध्यम से बड़ों का आदर करने की शिक्षा दी। प्रीति और पायल ने कहानी सुनाकर ईमानदारी से रहने की शिक्षा दी। इस अवसर पर मंदिर प्रधान हरीश खुराना, संरक्षक पुरुषोत्तम शर्मा, महामंत्री गिरीश अरोड़ा, राजू शर्मा, चुन्नी लाल चावला, रमेश आर्य, सुभाष सोनी आदि मौजूद रहे।

पुलिस पर फायरिंग मामले में चौदवां आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह के नेतृत्व में ऑपरेशन ट्रेक डाउन के तहत कार्रवाई करते हुए सीआईए थ्री पुलिस की टीम ने रिसपुर गांव के खेतों में किसान व पुलिस पर फायरिंग करने मामले में फरार चल रहे चौदवें आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान यूपी के शामली जिले के मवी गांव निवासी रामरत्न के रूप में हुई है। सीआईए थ्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि पूछताछ में आरोपी रामरत्न ने मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके अपने साथी आरोपियों के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा।

पानीपत। किसान व पुलिस पर फायरिंग के आरोपी के साथ पुलिस टीम ।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक ट्रैक्टर व डंडा बरामद कर शनिवार को पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहा से उसे न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया। प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि पुलिस इस मामले में पहले 2 नाबालिग सहित 13 आरोपियों को पकड़ चुकी है।

युवाओं को रक्तदान व नशे के प्रति किया जागरूक

पानीपत। उपायुक्त एवं प्रधान जिला रैडक्रास सोसाईटी डा.विरेन्द्र कुमार दहिया के मार्गदर्शन व अंकुश मिंगलानी उपाध्यक्ष तथा नवनियुक्त महासचिव डा.सुनील कुमार हरियाणा रैडक्रास चण्डीगढ़ के निर्देशानुसार तथा गौरव राम करण की अगुवाई में रैडक्रास भवन में प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 50 प्रशिक्षुओं को नशे से दूर रहने व रक्तदान हेतु जागरूक करने बारे शपथ दिलवाई गई। प्रशिक्षओं को हरमेश चन्द जिला प्रशिक्षण अधिकारी द्वारा युवाओं प्रेरित करते हुये कहा कि युवा पीड़ी देश का भविष्य है। प्रत्येक युवा को समाज सेवा में आगे आना चाहिये ताकि अच्छे समाज का निर्माण हो सके। हम रक्तदान से किसी अंजान व जरूरमंद व्यक्ति की जान को बचा सकते है। उन्होनें युवाओं को जागरूक करते हुये कहा कि नशीली वस्तुओं और पदार्थो के उपयोग के कारण व्यक्ति अपने परिवार, समाज वा मानसिक-आर्थिक तौर पर पिछड़ जाता है। इस अवसर पर डा.हितेश चन्द शर्मा प्रवक्ता प्राथमिक सहायता एंव जिला कोरिडेनेटर, डीएलएसए ने कहा कि आप रैडक्रास जोकि एक अन्तराष्ट्री संस्था है के साथ जुडक़र समाज को नई दिशा दे सकते हो। उन्होनें प्रतिभागियों को बाल विवाह ना करने व रोकने बारे जागरूक किया।

पानीपत। प्रशिक्षओं को नशे के खिलाफ शपथ दिलाते डा. हितेश चन्द शर्मा।

पानीपत। यूनिटी मार्च में भाग लेते जयदेव नौल्था व अन्य। फोटो : हरिभूमि

स.वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के अनावरण तक सात दिवसीय यूनिटी मार्च आयोजित

पानीपत। सरदार वल्लभभाई पटेल जी के महान व्यक्तित्व को समर्पित सात दिवसीय यूनिटी मार्च का शुभारंभ 26 नवंबर को जयपुर से हुआ। यह यात्रा 7 दिनों तक विभिन्न जिलों से गुजरते हुए 2 दिसंबर 2025 को सम्पन्न होगी। जहां पटेल जी की भव्य प्रतिमा का अवलोकन करेंगे। इस यात्रा में हरियाणा के संयोजक जयदेव नौल्था युवा मोर्चा प्रदेश सचिव हैं। कुल 54 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इनमें से पानीपत से युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमित पंडित, प्रदेश आईटी प्रमुख एवं यात्रा के सह संयोजक सुनील कपूर, मंथन शर्मा तथा गुरुदत्त सैनी विशेष रूप से सम्मिलित रहे। यात्रा की शुरुआत राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर की। प्रारंभ से अंत तक यात्रा को विभिन्न स्थानों पर सांसदों, मंत्रियों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने स्वागत किया।

पानीपत। विजेता पानीपत जंबूरी टीम। फोटो : हरिभूमि

जंबूरी में पानीपत की स्काउट गाइड टीम प्रथम

पानीपत। लखनऊ उत्तर प्रदेश में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी एवं डायमंड जुबली ग्रैंड फिनाले जंबूरी में पानीपत जिले की स्काउट गाइड टीम ने नृत्य कला में डीओसी गाइड मीना कंबोज और डीओसी स्काउट जयबीर दहिया के नेतृत्व में पांच अवसरों पर प्रतियोगिताओं में भाग लेकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अपने जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों जैसे फायर मेकिंग, बर्मा ब्रिज, बैलेंसिंग एक्ट, साइलेंट ड्रिल, ग्लोबल ग्राम जागरूकता आदि में भाग लिया। जिले की टीम में मीना कंबोज, जयबीर दहिया, कुसुम बंसल प्रधानाचार्या, रामचंद्र प्रवक्ता अंग्रेजी, संजय, सुदेश व प्रमिला आदि शामिल रहे।

सालभर में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त पानीपत

पानीपत। पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन एम डी डी आफ इंडिया ने कहा कि वह पानीपत को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर एम डी डी आफ इंडिया ने स्कूलों, ग्रामीण समुदायों और अन्य संस्थानों में रैली, कैंडल मार्च, सामुदायिक बैठकें जैसे जागरूकता कार्यक्रम और पूरे जिले में जगह.जगह बाल विवाह के खिलाफ शपथ समारोह आयोजित किए।

सैन जयंती को लेकर सैन एकता मंच की बैठक सम्पन्न

पानीपत। युवा सैन एकता मंच की बैठक में संत शिरोमणि सैन जी महाराज की जयंती की तैयारियां पर चर्चा की गई। जिसे हरियाणा सरकार द्वारा 4 दिसंबर को भव्य रूप से मनाया जा रहस है। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष बी ठाकुर प्रदीप ने की। बी ठाकुर ने बताया कि लाडवा में आयोजित होने वाले इस राज्य स्तरीय समारोह में पानीपत से लगभग 25 बसों में समाज के लोग शिरकत करेंगे।

न्यायालय तहसीलदार-कम-सब रजिस्ट्रार पानीपत

धीरज कुमार पुत्र श्री ईश्वर दास निवासी मकान न. 135/1 न्यू रमेश नगर तहसील कैम्प पानीपत।

बनाम

जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि धीरज कुमार पुत्र श्री ईश्वर दास निवासी मकान न. 135/1 न्यू रमेश नगर तहसील कैम्प पानीपत ने एक दस्तावेज पंजीकृत हेतु इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है कि प्रार्थी का पिता श्री ईश्वर दास कि मृत्यु 23-09-2023 को मृत्यु हो चुकि है। श्री ईश्वर दास की मृत्यु उपरान्त उनके निम्न वारिस / उत्तराधिकारी दर्शाये गये हैं। नगर निगम पार्षद जयदीप वार्ड न०-5 पानीपत तथा नम्बरदार विजेन्द्र फुलिया नांगल खेडी पानीपत व हल्का पटवारी सुनील मालिक पानीपत द्वारा भी अपनी रिपोर्ट में इन्ही वारसान की तसदीक की गई हैं-

1. प्रेम देवी विधवा श्री ईश्वर दास 2. धीरज कुमार पुत्र 3. तरूण कुमार पुत्र 4. ज्योति पुत्री कुल 4 वारिस हैं। इनके इलावा मृतक श्री ईश्वर दास का अन्य कोई वारिस / उत्तराधिकारी नहीं हैं। इसलिये हर आम व खास को इस इश्तहार/नोटिस के माध्यम से सुचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस / उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एवं एतराज हो तो वह स्वय/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 15 दिन के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय में कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता हैं। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा। यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 21-11-2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार-कम सब रजिस्टार, पानीपत

निरीक्षण के दौरान केंद्र में मौजूद दो बालिकाओं से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर सुविधाओं के बारे में जानकारी ली

वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण कर सुविधाओं की गुणवत्ता पर रिपोर्ट तलब

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव वर्षा शर्मा ने आज वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में मौजूद दो बालिकाओं से उन्होंने व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी सुरक्षाए स्वास्थ्य तथा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सेंटर की इंचार्ज इशा एवं सहायक सुनील भी उपस्थित रहे। सचिव ने केंद्र के अभिलेखों की जाँच करते हुए यह सुनिश्चित किया कि पैनल अधिवक्ता ड्यूटी रोस्टर अनुसार नियमित भ्रमण कर रहे हैं तथा आवश्यकता पडऩे पर पीड़ितों को तत्काल कानूनी परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य निगरानी व्यवस्था को और मजबूत बनाना तथा कानूनी, चिकित्सीय, मनोवैज्ञानिक एवं आपातकालीन सहायता जैसी अनिवार्य सेवाओं की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करना था।

पानीपत। वन स्टाप सेंटर का निरीक्षण करती वर्षा शर्मा। फोटो : हरिभूमि

सीजेएम-सह-सचिव ने किया ड्रग डी-एडिक्शन सेंटर का निरीक्षण

पानीपत। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सीजेएम-सह-सचिव वर्षा शर्मा ने सिविल अस्पताल स्थित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य नशामुक्ति उपचार प्राप्त कर रहे मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की गुणवत्ता, केंद्र की कार्यप्रणाली एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुपालन की समीक्षा करना रहा। सीजेएम-सह-सचिव ने निरीक्षण के दौरान ओपीडी रजिस्टर, उपस्थिति रजिस्टर तथा ड्यूटी रोस्टर की बारीकी से जांच की, जो व्यवस्थित और नियमांनुसार पाए गए। उन्होंने मरीजों की काउंसलिंग, देखभाल की निरंतरता तथा उपचार से संबंधित अभिलेख संधारण को समयबद्ध रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने काउंसलर्स व स्टाफ नर्सों से बातचीत कर सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पानीपत। नशामुक्ति केद्र का निरीक्षण करते हुए सीजेएम सहसचिव वर्षा शर्मा।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी रोहताश उर्फ राहुल को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा 3 स्कूटी व 5 बाइक बरामद किए गए हैं। आरोपी आदतन चोर है। थाना पडाव में दर्ज मामले में आरोपी को पीओ घोषित किया हुआ है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में भी चोरी के मुकदमे दर्ज हैं। इस मामले के पीड़ित महिला ने 16 नवंबर को शिकायत दर्ज करवाई थी कि इंदिरा पार्क गांधी मार्केट आरोपी ने उसकी एक्टिवा चोरी की है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

अंबाला। थाना साहा में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी रवि उर्फ जोनी व रामचरण उर्फ पंजाबी को गिरफ्तार किया है। बिहटा गांव के मंजीत सिंह ने 22 नवंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 19/20 नवंबर को आरोपी रवि, रामचरण व अन्य ने बैटरी, बास्किट व अन्य सामान चोरी किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

बाइक सवार सोने की चेन झपटकर फरार

अंबाला। अंबाला-दिल्ली हाईवे पर शास्त्री कॉलोनी के निकट बाइक सवार दो झपटमार दवा कारोबारी के गले से सोने की चेन झपटकर ले गए। शास्त्री कॉलोनी के मनदीप सिंह भाटिया ने शोर भी मचाया लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे। बाइक के पीछे प्लेट भी न होने के कारण नंबर नोट नहीं कर पाए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। पड़ाव थाना पुलिस ने कारोबारी मनदीप सिंह की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी। साथ ही आरोपियों का पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिए।

धोखाधड़ी का आरोपी तीन दिन के रिमांड पर

अंबाला। थाना शहजादपुर में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने आरोपी मुकेश कुमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी को तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। पीडित महिला ने 19 जुलाई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 9 अक्तूबर 2023 से 30 अप्रैल 2024 के दौरान आरोपी मनोज कुमार व अन्य ने उसके पति को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने का आपराधिक कार्य किया है।

डिजिटल अरेस्ट मामले में आरोपित गिरफ्तार

अंबाला। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के मामले में दिल्ली के आरोपी हैदर को गिरफ्तार किया है। उसे पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। दौराने रिमांड आरोपी से गहनता से पूछताछ की जाएगी। बीडी फ्लोर मिल एरिया के रहने वाले प्रीत पाल सिंह ने 16 सितंबर 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी ने डिजिटल अरेस्ट कर उससे मामले में उससे एक बड़ी रकम धोखाधड़ी से हड़पने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

शहर के रामबाग में जिला स्तरीय गीता महोत्सव शुरू, डीसी ने हवन में आहुति डालकर महोत्सव का किया आगाज

हरियाणवी संस्कृति पर आयोजित कार्यक्रमों में भी स्कूली छात्रों ने दिखाई शानदार प्रतिभा

नगाड़ा पार्टी ने पहले दिन मचाया धमाल डेरू के वादन पर जमकर थिरके कलाकार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अंबाला

अंबाला। गीता जयंती महोत्सव के विभिन्न दृश्य। फोटो :हरिभूमि

अंबाला शहर के रामबाग मैदान में आयोजित तीन दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव का शुभारंभ शनिवार को हवन यज्ञ के साथ किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर, एसडीएम अंबाला शहर दर्शन कुमार, सीईओ गगनदीप, नगराधीश अभिषेक गर्ग, जिला शिक्षा अधिकारी सुधीर कालड़ा, डीआईपीआरओ धर्मेंद्र कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। गीता महोत्सव में विभिन्न विभागों व संस्थाओं द्वारा 32 स्टाल लगाए गए हैं। इस प्रदर्शनी का उदघाटन उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने किया। उद्घाटन उपरांत उपायुक्त, जिला परिषद चेयरमैन मक्खन सिंह लबाना सहित अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टाल पर जानकारी प्राप्त कर उनकी सराहना की। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के उपरांत उपायुक्त ने कहा कि प्रदर्शनी में लगाए गए स्टाल के माध्यम से लोगों को सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी का अवलोकन करने आने वाले लोगों को अधिकारी, कर्मचारी अपने विभाग से सम्बन्धित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें। जिससे कि पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ उठा सके। उपायुक्त अजय सिंह तोमर द्वारा मंच पर सुशोभित श्रीमद्भगवद गीता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। गीता जयंती महोत्सव के प्रथम दिन भारी संख्या मे लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और जानकारी प्राप्त की जिनमें स्कूली बच्चों के साथ-साथ अन्य लोग भी शामिल रहे। इस अवसर पर उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि रामबाग मैदान में तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जोकि 1 दिसंबर तक आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जिला स्तर पर गीता जयंती महोत्सव मनाने के साथ-साथ कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित गीता जयंती महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लें और यहां लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त करें। इस मौके पर उपायुक्त ने जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि गीता जयंती महोत्सव हर वर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाने का काम किया जाता है। उनके लिए सौभाग्य की बात है कि जब वह यहां पर 2015 में बतौर एसडीएम के पद पर तैनात थे तो यहां पर गीता जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया था। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों व अन्य को कहा कि हमें श्रीमद्भगवदगीता के उपदेशों को आत्मसात करते हुए अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए। गीता में यह भी संदेश दिया गया है कि कर्म करो फल की चिंता मत करो, यानि किसी भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बिना फल की चिंता किए परिश्रम करें। इस अवसर पर नगर निगम मेयर शैलजा संदीप सचदेवा ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता भगवान श्री कृष्ण की वाणी है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता की अराधना करना हम सबका कर्तव्य है। केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती महोत्सव मनाना शुरू किया गया था जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा कुरूक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुरूक्षेत्र की धरा पर आज से लगभग 5 हजार वर्ष पूर्व लड़े गए धर्म युद्ध महाभारत की साक्षी रही है। कुरूक्षेत्र की रणभूमि पर ही योगेश्वर कृष्ण के मुखारविंद से गीता का ज्ञान प्रवाहित हुआ और भारत को गीता का अमूल्य ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विगत दिवस कुरूक्षेत्र में गुरू तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित समागम में तथा अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में शिरकत करना हम सबके लिए खुशी की बात है।

ये रहे मौजूद

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी श्रीमद्भगवदगीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में लगे हुए हैं और अब गीता जयंती महोत्सव को विदेशों में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति विभिन्न स्कूलों के बच्चों तथा कलाकारों द्वारा दी गई। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी एवं एडवोकेट संदीप सचदेवा, संजय लाकड़ा, सुरेश सहोता, हरपाल सिंह कांबोज, रेडक्रॉस सोसायटी सचिव विजय लक्ष्मी, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनीषा गागट, सीडीपीओ सुमन बाला, बीईओ सतबीर सैनी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों व संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में लगी प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों में उत्साह, अवलोकन कर की सराहना। अंबाला शहर के बुजुर्ग रमेश अग्रवाल ने कहा कि गीता जयंती समारोह में आकर उन्हें बेहद गर्व महसूस होता है और वे हर साल इस आयोजन में आते है। उन्होंने कहा कि गीता जयंती समारोह का आयोजन करना सरकार का एक बढिया कदम है। उन्होने कहा कि गीता का उपेदश मनुष्य को उन्नति के सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाने का एक माध्यम है। अंबाला शहर के राकेश ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता मानव जाति के लिए एक ऐसा ग्रंथ है जिसमें हर उम्र के लिए एक संदेश है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में इसका आयोजन करने के साथ साथ पीके गोयल ने कहा कि वे प्रत्येक वर्ष यहां पर गीता जयंती महोत्सव को देखने आते है। उन्होंने कहा कि गीता के ज्ञान से पूरे विश्व की शंकाएं और समस्याएं दूर हो सकती है। उन्होने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिये गये निष्काम कर्म के संदेश को अपने जीवन में धारण करना चाहिए।

दर्शकों को किया आकर्षित

गीता जयंती महोत्सव में प्रदर्शनी स्थल पर हरिणावी वाद्य यंत्रों से सुसज्जित पार्टियों ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। पलवल जिला के बंचारी से आई नगाड़ा पार्टी ने पवन के नेतृत्व में रसिया की बेहतरीन प्रस्तुति दी। होली खेलन आयो री नंदलाल की प्रस्तुति नगाड़ा के माध्यम से दी गई। नगाड़ा पार्टी द्वारा हरियाणी संस्कृति का बखान अपने भजनों के द्वारा किया गया। तेरी जय हो मोहन राम, जंगल में मंगल कर दे, जो लेता तेरा नाम, के द्वारा भगवान की महिमा का गुणगान किया। नगाड़ा पार्टी की प्रस्तुति की सराहना गीता जयंती महोत्सव में आए लोगों द्वारा की गई। कैथल से आई डेरू पार्टी के सदस्य गोल्डी व अन्य ने गौरखनाथ गोगा पीर महाराज के भजन का गुणगान किया। उन्होंने अपने भजन गुरू गौरखनाथ चले आओ, अब तो अलख जगाने को तथा बागड देश में ददरेवा गांव मेरा गुरू गौरख का चेला गोगा नाम मेरा के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी। दर्शकों ने तालियां बजाकर उनकी प्रस्तुति की सराहना की। जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में कलाकारों ने हिंदी, हरियाणवी एवं पंजाबी लोक संस्कृति पर आधारित गीतों एवं भजनों की छटा बिखेरने का काम किया। स्कूली बच्चों द्वारा अपनी नृत्य शैली के द्वारा भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप की लीलाओं का बेहतरीन मंचन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गौरव घावरी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा अपनी प्रस्तुति के द्वारा लोगों का मनोरंजन किया और तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने काली कमली वाला मेरा यार है, मेरे मन का मोहन तू दिलदार है तथा घनश्याम तेरी बंसी पागल कर जाती है, मुस्कान तेरी मोहन पागल कर जाती है भजन के माध्यम से श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए। कार्यक्रम में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर के विद्यार्थियों द्वारा धार्मिक प्रस्तुति, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बलदेवनगर के विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्री कृष्ण पर आधारित बेहतरीन भजन की प्रस्तुति दी गई, कांवेंट ऑफ सैटफ सोयल की विद्यार्थी जीविका द्वारा राधा कृष्ण की प्रस्तुति दी गई तथा आयुष विभाग द्वारा वाईब्रेक योग की प्रस्तुति दी गई।

योजनाओं की दी जानकारी

जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टाल पर लोगों को विभिन्न विभागों द्वारा अपने अपने विभाग से सम्बंधित योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। बिजली निगम के स्टाल पर नोडल ऑफिसर गगनदीप सिंह द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि घरों पर सोलर रूफटोप सिस्टम लगवाने के लिए भारत सरकार द्वारा अधिकतम 78 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है। केन्द्र सरकार की सब्सिडी के अलावा हरियाणा के एक लाख गरीब परिवारों को सोलर रूफटोप सिस्टम लगवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिकतम 50 हजार रूपए तक की सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी। इस बारे में ओर अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता अपने नजदीकी बिजली निगम के कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है। इस स्टाल पर जिला मंत्री पवन कुमार सिंगला, केंद्र प्रमुख श्याम लाल, संगठन मंत्री राज कुमार, जोन प्रधान कनुप्रिया तथा जिला उप प्रधान मामचंद द्वारा योग संबंधी जानकारी दी गई। जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव समारोह में प्रदर्शनी स्थल पर सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग द्वारा सरकार की योजनाओं के साथ-साथ श्रीमद्भगवदगीता से संबंधित फ्लेक्स डिस्प्ले किए गए।

पत्र भेजकर अनुशासनहीनता करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

■ दूसरे दलों से आए नेता संगठन को कर रहे हैं कमजोर, पार्टी के मूल कार्यकर्ता हाशिए पर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अंबाला

अंबाला। मेयर शैलजा सचदेवा व भेजा गया पत्र।

नगर निगम की मेयर शैलजा संदीप सचदेवा और कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा के खिलाफ बयानबाजी को लेकर मेयर ने कड़ी आपत्ति जताते हुए पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली को शिकायत भेजी है। उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को पत्र लिखकर अनुशासनहीनता करने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।मेयर शैलजा संदीप सचदेवा ने यह पत्र पीएम मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष, प्रदेश संगठन मंत्री फनेंद्र नाथ शर्मा को भी भेजा है। पत्र में उन्होंने जिला कार्यालय से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी मंच का दुरुपयोग किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। मेयर ने पत्र में कहा कि हाल ही में कुछ कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिला कार्यालय का इस्तेमाल कर पार्टी की ही कालका विधायक शक्ति रानी शर्मा और स्वयं महापौर शैलजा संदीप सचदेवा के खिलाफ बेबुनियाद और अनर्गल बयानबाजी की। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां सीधे तौर पर पार्टी संगठन को कमजोर करने का काम कर रही हैं। मेयर ने आरोप लगाया कि हाल के वर्षों में दूसरे दलों से भाजपा में आए कुछ लोग केवल "सत्ता की मलाई" चाटने के उद्देश्य से पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जिन भाजपा की विचारधारा से कोसों दूर हैं और पार्टी कार्यालय का उपयोग कर मूल कार्यकर्ताओं को हाशिए पर धकेलने का प्रयास कर रहे हैं। यह भाजपा जैसी अनुशासित पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ है। पत्र में यह भी कहा गया कि वर्षों के संघर्ष और कठिन मेहनत के बाद आज भाजपा जिस मुकाम पर पहुंची है और जिन मूल कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय खड़ा किया। उसी कार्यालय का दुरुपयोग उन्हीं को खत्म करने के लिए किया जा रहा है। यह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि पार्टी के भविष्य के लिए भी खतरनाक संकेत हैं। मेयर शैलजा संदीप सचदेवा ने इस पूरे मामले में जिला अध्यक्ष की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा है कि इससे कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जा रहा है और ऐसा प्रतीत होता है।

राजनीति में अंदरूनी खींचतान

मेयर ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह जल्द ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर अंबाला में संगठन को कमजोर करने वाली इन गतिविधियों की पूरी जानकारी साझा करेंगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग रखेंगी। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद अंबाला की भाजपा राजनीति में अंदरूनी खींचतान खुलकर सामने आ गई है।

आरोपितों की परेड करवाने पर मंत्री विज ने एसएचओ की पीठ थपथपाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अंबाला

अंबाला। एसएचओ की पीठ थपथपाते मंत्री अनिल विज।

अंबाला छावनी में गत दिनों पुलिस द्वारा कोचिंग सेंटर से घर जा रही युवती से छेड़छाड़ और फिर लड़की के माता-पिता से मारपीट मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कैंट थाना पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की प्रशंसा की है। शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए अनिल विज ने कैंट थाना के एसएचओ सुरेंद्र की पीठ थपथपाते हुए कहा कि वह एसएचओ को शाबासी देना चाहते हैं। एसएचओ ने मामले में बढ़िया कार्रवाई करते हुए मामले में अच्छा संदेश शहर को दिया है। उन्होंने कहा कि अंबाला छावनी में गुंडागर्दी करने नहीं दी जाएगी। छावनी में महिलाएं, बच्चियां जब चाहे अपने घर-दफ्तर जा सकती हैं। यदि कोई गुंडागर्दी करेगा तो हमारी पुलिस उसे नहीं छोड़ेगी। गौरतलब है कि जनसुनवाई के दौरान युवती व उसके परिवार ने मंत्री अनिल विज को शिकायत दी थी जिसपर उन्होंने कैंट थाना पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इस मामले में शुक्रवार को पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके सिर मुंडवा दिए थे जिसके बाद उन्हें पैदल बाजारों से ले जाते हुए, मौका-ए-वारदात स्थल पर जाकर जांच की थी। पकड़े गए आरोपियों में एक हिस्ट्रीशीटर भी था।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से विद्यार्थियों ने हिन्दुस्तान की विरासत को दर्शाया

■ डीएवी हाई स्कूल में भारत से इंडिया तक यात्रा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अंबाला

अंबाला। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

डीएवी हाई स्कूल में शनिवार को वार्षिक कार्यक्रम भारत से इंडिया तक की यात्रा का शानदार आयोजन किया। दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए छात्रों ने अपने हुनर से धूम मचा दी। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने यह दिखाया कि भारत कैसे अस्तित्व में आया। किस तरह यह देश विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। कार्यक्रम में रिटायर आईआरएस अधिकारी एमएम जुल्का बतौर मुख्यअतिथि पधारे थे। रिटायर प्रोफेसर आरसी शर्मा व नपा सदस्य हरमिंद्र सिंह भी कार्यक्रम में विशेष तौर पर पधारे थे।

अभिभावकों का आभार जताया

इसके अलावा डीएवी स्कूल की निदेशक शिवानी सरीन, डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या सीमा व कर्नल आरडी सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में छात्रों ने आकर्षक नृत्य, मनमोहक गीतों , प्रभावशाली नाटकों व विचारपूर्ण मूक अभिनय से धमाल मचा दिया। छात्रों ने भव्य प्रस्तुतियों के जरिए अवधारणा को जीवंत कर दिया। प्रत्येक प्रस्तुति ने गहरी सांस्कृतिक समझ मेहनत व उत्कृष्ट कलात्मक अभिव्यक्ति को दर्शाया। अतिथियों ने भारत की विरासत को उजागर करने पर स्कूल के प्रयासों की जमकर सराहना की। निदेशक शिवानी सरीन छात्रों के साथ स्टाफ की मेहनत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवा शिक्षार्थियों को भारत की विरासत से जोड़ने का काम करते हैं। विद्यालय की प्राचार्या वंदना शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने स्कूल के सभी शिक्षकों, स्टाफ, छात्रों व उनके अभिभावकों का भी आभार जताया।

कार्यक्रम | अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर किया विशेष /''रेल यात्री संपर्क/'' अभियान का आगाज

आत्मनिर्भर भारत के तहत रेल संपर्क अभियान का शुभारंभ किया

भाजपा जिलाध्यक्ष ने किया यात्रियों को स्वदेशी वस्तुएं अपनाने के लिए जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अंबाला

संपर्क अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन पर सहयोगियों के साथ मौजूद भाजपा नेता।

छावनी रेलवे स्टेशन पर शनिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष मनदीप राणा पूर्व विधायक संतोष सारवान, आत्मनिर्भर भारत अभियान के लोकसभा संयोजक राजेश बतौरा ने आत्मनिर्भर भारत के तहत रेल संपर्क अभियान का शुभारंभ किया। अभियान की शुरुआत होते ही स्टेशन परिसर में खासा उत्साह देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ता अलग–अलग टीमों में बंटकर यात्रियों, फूड स्टॉल संचालकों और आसपास मौजूद लोगों को स्वदेशी के महत्व के बारे में जागरूक करते नजर आए। मनदीप राणा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का जो विजन रखा है इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए जनभागीदारी सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि शनिवार का यह रेल संपर्क अभियान उस संकल्प को और मजबूत करने वाला है। उनके अनुसार आत्मनिर्भर भारत सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन है जिसके माध्यम से देश की आर्थिक संरचना को मजबूती मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और स्थानीय उद्योगों को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। अभियान के दौरान कार्यकर्ताओं ने यात्रियों से बातचीत कर उन्हें बताया कि स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है। साथ ही फूड स्टॉल संचालकों को भी स्थानीय स्तर पर निर्मित सामानों के उपयोग को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया गया। कई यात्रियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से लोगों में जागरूकता बढ़ती है और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत होती है। स्टेशन परिसर में लगे पोस्टरों और पंफलेट्स के माध्यम से भी आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को समझाया गया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि छोटे उद्योगों, ग्रामीण कारीगरों और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देकर हम न केवल देश की उत्पादन क्षमता बढ़ा सकते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अभियान के दौरान हितेश जैन,रमेश पाल नहोनी,जिला महामंत्री करमचंद गोल्डी सैनी,सतीश धीमान,अनमोल सोबती,मंडल अध्यक्ष दिनेश लदाना,कुलदीप बड़ौला,हरजिंदर पाल सिंह,सरदूल सिंह,पिंकू सूद,फकीर चंद,शेर सिंह नग्गल,अमरजीत सारंगपुर,निर्मल सिंह धुराला,गुरदेव दत्त, साहिल कक्कड़ व अन्य मौजूद रहे।

सुदृढ़ संचार व्यवस्था हो या सामरिक सुरक्षा का मामला, कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की बात हो या प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान लगाना हो, इन सबके लिए स्पेस टेक्नोलॉजी में नित नई ऊंचाई छूना जरूरी है। इस दिशा में इसरो निरंतर अग्रसर है। यही नहीं विश्व की स्पेस सुपर पावर बनने के लिए भी इसरो के पास कई इंपॉर्टेंट प्रोजेक्ट्स और प्लानिंग्स हैं। इन सभी पर एक विस्तृत नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाई छूने के लिए
निरंतर अग्रसर इसरो

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

इसरो द्वारा तीन साल के भीतर अंतरिक्षयान निर्माण की तीन गुनी क्षमता का लक्ष्य निर्धारण, भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षा का पूर्वाभास है। यदि यह हासिल हो जाता है, तो भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी भी न सिर्फ नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के समानांतर खड़ी होगी बल्कि विश्व अंतरिक्ष बाजार में भी वह बहुत बड़ी खिलाड़ी बन जाएगी।

देश की प्रगति के लिए जरूरी: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, इसरो का अगले तीन वर्षों में अपने अंतरिक्षयान निर्माण क्षमता को तिगुना करने का फैसला, देश की बदलती सामरिक, वैज्ञानिक और आर्थिक प्राथमिकताओं के पूर्वाभास सरीखा है। इसरो चाहता है कि खुद को अंतरिक्ष के क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढाल सके, ताकि वो निजी कंपनियों की तेज भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा के बीच अविलंब आगे आ सके। उसकी यह पहल, देश को विश्व की अग्रणी अंतरिक्ष शक्तियों की श्रेणी में ऊपरी स्थान दिलाने की दिशा में एक रणनीतिक विस्तार है। अंतरिक्ष यान निर्माण क्षमता को बढ़ाना कई वजहों से जरूरी है। 5जी से बढ़कर 6जी की ओर बढ़ना है, तो सैकड़ों छोटे उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजना ही होगा। पृथ्वी अवलोकन और जलवायु निगरानी उपग्रहों की मांग भविष्य में बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

वैश्विक शक्ति बनने की है सामर्थ्य: वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में उपग्रहों और उनकी सेवाओं की मांग अभूतपूर्व तरीके से बढ़ रही है। संचार, अर्थ ऑब्जर्वेशन, रक्षा, निगरानी, नेविगेशन, आपदा प्रबंधन, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में उपग्रहों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण होने के चलते आने वाले दशक में हजारों नए उपग्रह लॉन्च होने की उम्मीद है।

भारत के पास सस्ता, तेज, कुशल और विश्वसनीय अंतरिक्ष अभियान संचालन की बेहतर क्षमता है, इसको पूरी दुनिया जान और मान रही है। तमाम देश इसके लिए भारत की ओर आकर्षित भी हैं। लेकिन अंतरिक्ष यान निर्माण-क्षमता के सीमित होने के कारण देश बेहतरीन कौशल होने के बावजूद इस तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहा। इसरो अभी सालाना औसतन 6 से 7 अंतरिक्षयान बनाता है। तीन साल बाद क्षमता तीन गुना होने का मतलब है कि वह 18 से 21 अंतरिक्षयान प्रति वर्ष तैयार कर सकेगा। फिर उसके पास अन्य देशों के उपग्रहों के लांच के लिए न सिर्फ पर्याप्त यान होंगे बल्कि उन्हें लांच के लिए विंडो भी। कम समय अंतराल पर होने और निर्माण तथा लांच सुविधाएं सीमितता के चलते इसरो के कई प्रक्षेपण कार्यक्रम आपस में ओवरलैप करते हैं। इसरो द्वारा उत्पादन वृद्धि के साथ सैटेलाइट इंटीग्रेशन सेंटर्स की संख्या बढ़ाना इस ओवरलैप को कम करेगा। अंतरिक्षयानों की संख्या में वृद्धि भारत को वैश्विक प्रक्षेपण सेवाओं के बड़े बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाएगा, जहां आज

अमेरिका की स्पेस-एक्स जैसी निजी कंपनियां लगभग एकछत्र राज कर रही हैं।

संभावनाएं-क्षमताएं हैं भरपूर: आज भारत, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में केवल 2 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, इसरो इसे 2030 तक 8 फीसद तक ले जाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। क्षमता विस्तार, निजी साझेदारी और नई तकनीकों का विकास इसे संभव बना सकता है। बेशक इससे भारतीय अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी दर्ज होगी तथा संबंधित क्षेत्र में साख भी बढ़ेगी। असल में इसरो की रणनीति महज अपने अंतरिक्ष यानों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इस दौर में जब देश में कई स्पेस स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, इसरों की प्लानिंग है कि अंतरिक्षयान निर्माण में तमाम बड़ी निजी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो, गोदरेज, एचएएल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, स्काईरूट, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा अन्य छोटे

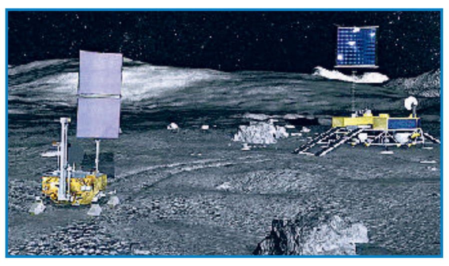

स्टार्टअप्स को भी वह इस काम में बड़े पैमाने पर साझेदार बनाए ताकि इससे भारत में 'एयरोस्पेस मैन्युफेक्चरिंग इंडस्ट्री' का विकास तीव्र हो। वह अमेरिका में नासा और स्पेस-एक्स जैसे सरकारी एजेंसी और निजी कंपनी के आपसी सहयोग जैसे मॉडल को भारतीय परिस्थितियों में संभव बनाना चाहती है। इससे देश, संबंधित कंपनियों और आखिरकार इसरो को लाभ पहुंचेगा।

निजी क्षेत्रों को कर रहा प्रोत्साहित: जल्द ही भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी उद्योग-निर्मित पीएसएलवी इसी परिवर्तन की ज्वलंत निशानी बनेगा। इसरो खूब जानता है कि निजी क्षेत्र जितना बड़ा होगा, उसको उतनी ही सुविधा होगी। वह उन पर बहुत से तकनीकी और निर्माण कार्यों की जिम्मेदारी देकर अपना ध्यान ज्यादा से ज्यादा प्रक्षेपण कार्यक्रमों एवं अनुसंधान मिशनों पर केंद्रित कर पाएगा। इसरो को निजी-सरकारी कंपनियों के सहयोग से तीन गुनी यान निर्माण क्षमता हासिल हो गई, तो उसका परोक्ष प्रभाव यह भी होगा कि इसरो के वैज्ञानिक मिशन तेजी से पूरे होंगे, वाणिज्यिक लॉन्च बढ़ेंगे। ऐसे में भारत वैश्विक उपग्रह-निर्माण और प्रक्षेपण बाजार में बेहद कमाऊ और प्रभावी खिलाड़ी बन सकेगा। इनके अलावा इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और ज्यादा बढ़ेगी, तो विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम होती जाएगी। बड़ी बात यह भी कि पांच मॉड्यूल वाला देश का अंतरिक्ष स्टेशन समय पर स्थापित करने की संभावना भी इससे मजबूत होगी।

कई स्तरों पर करनी होगी पहल: इसरो के सभी प्रोजेक्ट्स समय से पूरे हों, इस लिए भी इसरो को अपनी यान निर्माण क्षमता को तीन गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। चंद्रयान-4 भारत के लिए अमेरिका के अपोलो कार्यक्रम की तरह विशिष्ट होगा। यह चंद्रमा से नमूने वापस लाकर भारत को उस सैंपल रिटर्न टेक्नोलॉजी में सक्षम बनाएगा, जो संसार के महज तीन देशों के पास है। इसी तरह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा के साथ लूपेक्स मिशन, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ की मौजूदगी तलाश उसकी उपयोगिता समझने का अवसर देगा। यह भविष्य के मानव मिशनों के लिए ईंधन और पानी का स्रोत समझाएगा। भारत अपने अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल को 2028 तक पूरा करते हुए 2035 तक पांच मॉड्यूल वाला अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करना चाहता है। इस पूरे प्रकरण में सरकार की जो भूमिका हो सकती है, वह यह है कि उसके द्वारा अंतरिक्ष नीति और विनियमों को सरल बनाया जाए ताकि निजी निवेश, इसरो को लंबी अवधि की फंडिंग और स्टार्टअप ईकोसिस्टम को बढ़ावा मिले, मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम पर नियमित निवेश एवं निजी भागीदारी को गति मिले, जिससे इसरो अधिक प्रक्षेपण केंद्र और ट्रैकिंग स्टेशन स्थापित कर सके। अंतरराष्ट्रीय सहयोग के विस्तार पर भी सरकार को जोर देना होगा। फिलहाल इसरो का फैसला देश को वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में आर्थिक शक्ति बनाएगा, लाखों नौकरियों का सृजन, युवा वैज्ञानिकों के लिए अवसर पैदा करेगा। *

कई प्रोजेक्ट्स पर हो रहा काम

इसरो के लिए आने वाला दशक निर्णायक है। इस वर्ष और अगले वर्ष में इसरो के पास आधे दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण कार्यक्रम शेष हैं और अगले कुछ वर्षों में संचालित होने वाले इसरो के पूर्व नियत कई प्रमुख अभियान तो बहुत जटिल और महत्वाकांक्षी हैं। गगनयान के कई मानव-रहित परीक्षण, मानव सहित गगनयान, 2028 में जाने वाला चंद्रयान-4, जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ मिशन लूपेक्स, एसएसएलवी निर्माण तथा रि-यूजेबल लॉन्च व्हीकल का विकास, शुक्रयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, नई पीढ़ी के संचार उपग्रह जैसे कई महत्त्वाकांक्षी मिशन पर कार्य जारी है।

डिजिटल गेम्स वर्तमान है शानदार-उज्ज्वल है भविष्य

हाल के वर्षों में मनोरंजन के लिहाज से डिजिटल गेम्स का क्रेज जबर्दस्त तरीके से बढ़ा है, निरंतर इसमें इजाफा भी हो रहा है। खासतौर पर इसे लेकर नई पीढ़ी में बहुत दीवानगी देखी जाती है। इसकी क्या हैं वजहें और कैसा है भविष्य, जानिए।

टेक्नोलाइफ
लोकमित्र गौतम

आज के युग में मनोरंजन, शिक्षा और तकनीकी प्रयोग का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन चुके हैं-डिजिटल गेम्स। मोबाइल, कंप्यूटर, टैबलेट और गेमिंग कंसोल के जरिए खेले जाने वाले ये खेल महज खेल नहीं हैं बल्कि आज की तारीख में अरबों रुपए का कारोबार भी है। नई पीढ़ी के बीच इन डिजिटल गेम्स का आकर्षण इतना अधिक है कि अब ये डिजिटल गेम्स एक पूरी संस्कृति का रूप ले चुके हैं।

क्या होते हैं डिजिटल गेम्स: डिजिटल गेम्स सही मायने में इलेक्ट्रॉनिक खेल होते हैं। इन्हें डिजिटल गेम इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये किसी डिजिटल डिवाइस के जरिए खेले जाते हैं। जैसे- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन, टैबलेट या वीडियो गेम कंसोल। डिजिटल गेम्स में ग्राफिक, ध्वनि और उपयोगकर्ता का सीधे-सीधे संपर्क या इंट्रैक्शन संभव है। यह इंट्रैक्शन या संपर्क दो तरीके से होता है। इसमें एक है वर्चुअल अनुभव। वास्तव में यह किसी अनुभव के आधार पर तैयार किए जाते हैं और यहीं इनकी भूमिका बदल जाती है। यह केवल शारीरिक सक्रियता या महज मनोरंजन का कारण नहीं होते बल्कि कभी-कभी सीखने, कभी रणनीति बनाने, कभी निर्णय क्षमता को परखने या उसे विकसित करने तथा कभी-कभी हीनभावना को दूर करने का तरीका भी होते हैं।

दीवानी है नई पीढ़ी: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स को लेकर बहुत ज्यादा आकर्षण या कहें क्रेज है। विशेषकर जनरेशन जेड और अल्फा, डिजिटल दुनिया में जन्मी, पली-बढ़ी पीढ़ियां इन खेलों की दीवानी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इनका बचपन मोबाइल और इंटरनेट के साथ खेलते और इस्तेमाल करते हुए गुजरा। इसलिए डिजिटल गेम्स को ये मनोरंजन नहीं कहते बल्कि अपने व्यक्तित्व की पहचान, प्रतिस्पर्धा और आत्म अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं।

इसलिए बढ़ रहा इतना क्रेज: नई पीढ़ी में डिजिटल गेम्स का इतना क्रेज इसलिए है, क्योंकि यह वास्तविक अनुभव देता है। आज के डिजिटल गेम्स में एक साथ वीआर यानी वर्चुअल रियलिटी और एआर यानी ऑग्मेंटेड रियलिटी का इस्तेमाल होता है, जिसे खिलाड़ी इन्हें दूर से खेलता हुआ नहीं लगता बल्कि खुद को वह खेल के भीतर का हिस्सा समझता है और खेल के रोमांच को पल-पल महसूस करता है। दुनिया के किसी कोने से किसी दोस्त के साथ, किसी अजनबी के साथ, इन खेलों को खेला जा सकता है यानी आज की डिजिटल लाइफ के अनुकूल ये ऑनलाइन गेम की सुविधा प्रदान करते हैं और सबसे आकर्षक बात यह है कि डिजिटल गेम्स, एक रिवॉर्ड सिस्टम से भी जुड़ा होता है यानी प्वाइंट, लेवल और खरीदारी के लिए वाउचर जैसी सुविधाओं का मौजूद होना खिलाड़ियों को अलग ही दुनिया के रोमांच से जोड़ देते हैं। आज की तारीख में डिजिटल गेम्स महज खेलने की डिजिटल गतिविधि भर नहीं हैं बल्कि यह एक किस्म की सामाजिक प्रतिष्ठा बन चुके हैं। युवाओं में गेमिंग अब अपने आपमें एक स्टेटस सिंबल बन चुका है। लोकप्रिय गेम्स में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स और फैंस भी मिलते हैं। इस तरह डिजिटल गेम्स मनोरंजन करने के साथ-साथ हमारे तनाव मुक्ति का भी जरिया हैं। इस कारण भी युवाओं में डिजिटल गेम्स को लेकर जबरदस्त क्रेज है।

ऐसे हुई डिजिटल गेम्स की शुरुआत: वर्ष 1962 की बात है, एमआईटी यानी मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका में दो युवाओं ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम स्पेस वार बनाया। स्टीव रसेल और उनके दोस्त मार्टिन ग्रेट्ज ने पहले-पहल इस डिजिटल गेम्स की अवधारणा को 1961 में रखा था। लेकिन बाद के एक साल में उनके साथ उनके चार और दोस्त आ जुड़े, ये थे- वेन विटानन, पीटर सैमसन, डेन एडवर्ड्स और एलन कोटाक। इन सभी ने मिलकर दुनिया का पहला डिजिटल गेम्स स्पेस वार सीडीपी-1 कंप्यूटर पर बनाया। यहीं से आधुनिक वीडियो गेम उद्योग की शुरूआत हुई।

जहां तक भारत में डिजिटल गेमिंग की शुरुआत का सवाल है तो यह सन 1990 के दशक में आया, जब कंप्यूटर और इंटरनेट भी धीरे-धीरे आम लोगों तक पहुंचने लगे थे। भारत का पहला स्वदेशी डिजिटल गेम 'भारतः द गेम' (1998) माना जाता है, जिसे सिनका गेम्स कंपनी ने विकसित किया था। हालांकि गेम बहुत अधिक लोकप्रिय नहीं हुआ।

डिजिटल गेम्स का भविष्य: जहां तक डिजिटल गेम्स की दुनिया के भविष्य का सवाल है तो यह बेहद उज्ज्वल और तकनीकी रूप से बेहद रोमांचक है। साल 2025 में वैश्विक गेमिंग इंडस्ट्री बढ़कर 250 अरब अमेरिकी डॉलर की हो चुकी है और इसमें बहुत बड़ा हिस्सा भारत के डिजिटल गेम्स प्रेमियों का भी है। क्योंकि साल 2024 के अंत तक भारत में सक्रिय गेम्स की संख्या बढ़कर 40 करोड़ हो चुकी है। शायद यह डिजिटल गेमिंग का ही विस्तार है कि आज ई-स्पोर्ट्स की दुनिया बड़े पैमाने पर उभरी है और लाखों लोग इसे अपना करियर बनाकर अपना भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित कर रहे हैं। *

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

गिरना भी अच्छा होता

कभी-कभी गिरना भी अच्छा होता,
गिरने से संभलना सीखते
फिर चलना सीखते।
समझ में आता है
अति हर चीज की
अच्छी होती नहीं,
बात-बात पर अहंकारी,
और ज्यादा ज्ञानी
समझने से बच जाते।
बात यह भी जरूरी है कि
गिरने को किस रूप में देखते हो,
विचलित होते हो या
नए साहस से आगे बढ़ते हो
गिरने से दिमाग भी
ठिकाने रहता
अपने और पराए पर
पर्दा उठ जाता।
अगर गिरे तो फिर
नए रूप लेकर उठो
नए विचार लेकर उठो
बेफिक्र होकर जीना सीखो
इसलिए कभी-कभी
गिरना भी अच्छा होता है।

व्यंग्यात्मक संस्मरण
डॉ. मुकेश असीमित

टिकट विंडो की लाइन

रेलवे स्टेशन की टिकट विंडो आजकल किसी आध्यात्मिक तप जैसी लगती है। अमृत योजना का थोड़ा-बहुत बजट खर्च कर चार खिड़कियां बना दी गई हैं, पर चारों के सामने उतनी ही लंबी लाइनें, मानो चार अलग-अलग धर्मपंथ हों और भक्त सभी जगह समान संख्या में हों।

मैं बड़ी होशियारी से सबसे छोटी लाइन में लगा, और जैसे ही लगा किस्मत मेरी गर्दन पकड़कर मुझ पर हंस रही हो जैसे। मेरी लाइन कछुए की चाल से और बाजू वाली लाइन खरगोश की गति से फुर्र-फुर्र बढ़ती जा रही थी।

खिड़की पर एक बुजुर्ग बाबू थे, शायद रिटायरमेंट के ठीक पहले के अंतिम वर्ष में। चश्मा उतारते, लगाते, की-बोर्ड को किसी वेद-पाठ की तरह एक-एक अक्षर छूते। स्क्रीन पर अक्षर प्रकट होता तो उनके चेहरे की झुर्रियां भी खिल उठतीं, मानो तकनीकी उन्नयन का चमत्कार उन्हें रोज नई जवानी दे रहा हो। रेलवे ने शायद फैसला कर रखा है कि यह महाशय अपना अंतिम प्रण और अंतिम प्रणय दोनों इसी खिड़की पर छोड़ेंगे।

इतने में एक दुबला-पतला अधेड़ मेरी कोहनी पसलियों में गड़ाता हुआ फुसफुसाया, 'कौनसी ट्रेन चाहिए साहब? बोलो तो जुगाड़ कर दूं, अंदर तक पहुंच है। बस सौ का एक नोट एक्स्ट्रा।'

मैंने विनम्रता से मना कर दिया। विनम्रता पर उसने जर्दे-भीगे होंठों से मोबाइल और मुझे संयुक्त रूप से एक गाली दी और फुर्र हो गया। उसकी प्रतिक्रिया खीझ से उत्पन्न हुई, जैसे कोई एक डील होते-होते रह गई हो।

मोबाइल ही आजकल इन लंबी लाइनों का आधुनिक तपो-साधन है, सभी यात्री उसमें गुम। मैं भी व्हाट्सएप की दुनिया में तल्लीन था, तभी आगे शोर हुआ। एक यात्री जिसकी ट्रेन छूटने वाली थी, लाइन तोड़कर हथेली खिड़की के नैनो साइज के छेद में घुसा चुका था कि दूसरा यात्री अपना हाथ निकाल ही नहीं पा रहा था। अब विवाद यह नहीं कि किसकी बारी, बल्कि यह कि सबसे पहले हाथ कौन निकाले!

बाबू ने सीटी बजाई। दो पुलिसकर्मी अपनी तोंदें, बाल्टी की तरह लटकाते हुए आए। लाठी को हवा में घुमाते हुए स्थानीय भाषा में अपशब्दों का ऐसा समन्वित गान किया कि लाइन तुरंत सीधी हो गई। दोनों यात्रियों के हाथ बड़ी मुश्किल से निकाले गए। इस खींचतान में एक की हस्त-धारित भारतीय मुद्रा फट गई और उसके मुंह से निकली गालियां व्यवस्था की संपूर्ण संस्थाओं को समर्पित थीं, रेलवे, सरकार, मंत्री से लेकर कुली तक कोई नहीं छूटा।

मैं फिर मोबाइल में चला गया। नया वर्ष आने में महीना है लेकिन कंपनियां जैसे चाहती हैं कि इस बार मैं चार नए कपड़ों, दो नई चॉकलेटों और पांच नए कूपनों से लैस रहूं। ऑफर ऐसे कि लगता है हर कंपनी ने मेरे लिए ही सुकुमारी ब्रांड की मॉडल को विज्ञापन में खड़ा किया है। एक बार जल्दबाजी में मैंने सुकुमारी के मोहपाश में बंधे सब्सक्रिप्शन डाल दिया था, तभी से वह मेरे जीवन की स्थाई सदस्य बन चुकी है।

मोबाइल भी क्या करे। कंपनियां चाहती हैं कि आप दिन-रात उसी से चिपके रहो। कभी धमाका सेल, कभी फ्लैश सेल, कभी लास्ट स्टॉक, हड़प लो!

नई पीढ़ी को ये सेल-ऑफर ऐसे जकड़ती है कि किसी उल्टे-सीधे काम में ऊर्जा लगे, उससे अच्छा है कि स्क्रीन पर अंगूठा फिसलाते रहो। गेम्स, जुआ, सट्टा, लॉटरी सब आपके दरवाजे पर नहीं, आपकी जेब में बैठा है।

इधर मेरा मोबाइल भी मेरा पूरा जीवन समझता है- कब रिचार्ज खत्म होगा? कब बीमा एक्सपायर होगा? कब कार की सर्विसिंग करानी है?

कब पुरानी कार बेचे चार साल हो गए? यह सब याद दिला रहा है।

सच कहूं तो मोबाइल ने आदमी को अकेला किया, या अकेलापन आदमी को मोबाइल तक ले गया, ये तफरीक अब मैं भी नहीं कर पाता।

मोबाइल पर आध्यात्मिक गुरुओं के संदेश, प्रेरक कथन और भविष्यवाणियां भी तड़ातड़ आ रहे हैं। सुबह-सुबह इतनी 'ज्ञान-वर्षा' कि दिमाग की हार्ड डिस्क फुल होकर ओवरहीट हो जाए। पर सही कहूं, रेलवे की लाइनें और मोबाइल दोनों ही हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की लाइफलाइन हैं। एक में लगकर देश चलता है और दूसरे में खोकर आदमी। इतने में मेरी लाइन भी दो-चार इंच आगे बढ़ गई।

शायद मेरे नंबर का भी समय आ रहा था और मोबाइल पर एक नया मैसेज भी। *

लघुकथा / सतीश उपाध्याय

दरवाजा

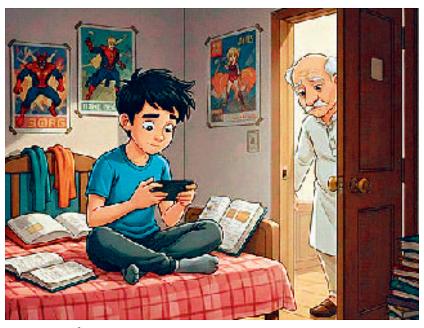

'मम्मी, दादाजी की वजह से हमारी पढ़ाई डिस्टर्ब होती है, बार-बार हमारे कमरे में आ जाते हैं।' परेश ने अपनी मां से दादाजी की शिकायत की। सामने कुर्सी पर बैठे दादाजी अखबार पढ़ रहे थे, वह तुरंत बोले, 'नहीं बेटा, ऐसी बात नहीं है। तुमको मैंने तीन घंटे से नहीं देखा था, इसलिए ऐसे ही तुम्हें देखने तुम्हारे कमरे में चला आया था।' परेश की मम्मी बेटे का पक्ष लेते हुए बोलीं, 'बाबूजी, थोड़ा बुद्धि से काम लिया करिए। स्कूल से कितना होमवर्क मिलता है, असाइनमेंट पूरा करना होता है। अगर वह आपसे बात करेगा तो उसका होमवर्क कैसे पूरा हो पाएगा?' दादाजी आहिस्ता से बोले, 'बेटा बात सही है, अब मैं आगे से ध्यान रखूंगा।' अगला दिन छुट्टी का था। परेश सारा दिन अपने लैपटॉप और मोबाइल में ही बिजी था। दादाजी के भीतर अपने पोते के प्रति प्यार उमड़ा तो वह अपने आपको रोक नहीं पाए। परेश के कमरे में चले गए। परेश के बेड पर स्कूल की कॉपी-किताबें बिखरी हुई थीं। वह मोबाइल में बिजी था। उसने दादाजी की आहट सुनी, लेकिन वह दादाजी की उपेक्षा करते हुए अपने मोबाइल में ही लगा रहा। दादाजी ने पूछा, 'क्या कर रहे हो बेटा?' परेश रूखे स्वर में बोला, 'दादाजी देख नहीं रहे हैं, मैं अपना असाइनमेंट पूरा कर रहा हूं। आप डिस्टर्ब मत करिए।' 'ठीक है बेटा, कितना समय लगेगा, इसे पूरा करने में?' दादाजी ने बड़े प्यार से पूछा। 'दादाजी मैं अभी कैसे बता दूं, आप डिस्टर्ब मत कीजिए प्लीज।' परेश ने तेज स्वर में बोला। 'ठीक है बेटा, मैं नीचे तुम्हारा इंतजार कर रहा हूं।' यह कहकर दादाजी ने कमरे से बाहर निकलते समय पलटकर देखा, परेश अपने मोबाइल में लगा दिखा। दादाजी के कमरे से निकलते ही परेश ने अपने कमरे का दरवाजा तेज आवाज के साथ बंद कर दिया। दादाजी कुछ देर दरवाजे के पास भाव शून्य खड़े रहे। उनकी आंखों में एक नमी उतर आई थी। *

पुस्तक: छवि से अलग (संस्मरण), **लेखक:** विनोद दास, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

छवि से अलग

हाल में ही वरिष्ठ साहित्यकार विनोद दास के संस्मरणों की पुस्तक 'छवि से अलग' छपकर आई है। इसमें चौदह नामचीन साहित्यकारों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा संस्मरण भी संकलित है। इन संस्मरणों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनमें सम्मिलित हस्तियों की कई अनावृत्त रही छवियां उजागर होती हैं। ये छवियां उनके साहित्यिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। लेखक ने निरपेक्ष भाव से इनकी खूबियों और खामियों को सामने रखा है। इसके साथ ही साथ कई संस्मरणों में लेखक, समानांतर रूप से उस देश, काल और परिस्थितियों का भी वर्णन करते चलते हैं, जब इन अनुभूतियों को वे अर्जित कर रहे थे। निर्मल वर्मा, नामवर सिंह, श्रीलाल शुक्ला, कुंवर नारायण, केदारनाथ सिंह, अखिलेश, शानी और मुद्राराक्षस जैसे कई साहित्यकारों के बारे में यह किताब बहुत कुछ अनसुना बताती है। *

अगर आपको गांव की खूबसूरती, वहां का प्राकृतिक वातावरण लुभाता है, साथ ही पक्षी प्रेमी भी हैं तो आपको इस मौसम में 'भारत का पक्षी गांव' के नाम से प्रसिद्ध मेनार गांव जरूर जाना चाहिए। किस तरह से मेनार गांव, पक्षी-प्रकृति संरक्षण की मिसाल बन गया है, वहां से लौटकर बता रहे हैं लेखक अपनी जुबानी।

पक्षी संरक्षण की मिसाल मेनार गांव

पर्यटन स्थल
समीर चौधरी

हाल ही में मैं उदयपुर घूमने गया था। जब मुझे स्थानीय लोगों से पक्षी संरक्षण के लिए मशहूर मेनार गांव के बारे में पता चला तो खुद को रोक नहीं पाया। राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर के नजदीक स्थित मेनार गांव में मैं बिना किसी असुविधा के बिल्कुल सुबह पहुंच गया था। सुबह होते ही मेनार में चिड़ियों का चहचहाना हर ओर से सुनाई पड़ने लगता है। खासतौर पर मानसून के बाद सर्दी के मौसम की शुरुआत होने पर यह नजारा बहुत मनभावन लगता है, जब दूर देशों से बड़ी संख्या में पक्षी जाड़ों के अपने इस आवास में लौटने लगते हैं। दशकों से मेनार 100 से अधिक स्थानीय और ठंडे इलाकों से पलायन करके आने वाले पक्षियों का अभयारण्य बना हुआ है। यहां आने वाले प्रमुख पक्षियों में फ्लेमिंगो,

पेलिकन, कूटस और लुप्त होने की कगार पर पहुंच चुका सारस क्रेन भी शामिल हैं। इन्हें देखने के लिए दूर-दूर से पक्षी प्रेमी यहां आते हैं।

ग्रामीणों की भूमिका महत्वपूर्ण: मेनार गांव की विशेषता केवल इसकी जैव-विविधता ही नहीं है बल्कि यहां के लोग भी हैं, जिनकी वजह से पक्षी संरक्षण संभव हो सका है। मेनार के लोगों का यहां आने वाले मेहमान पक्षियों से लगाव का सिलसिला लगभग दो शताब्दी पहले आरंभ हुआ था। मुझे स्थानीय लोगों ने ही बताया कि वर्ष 1832 में यहां की एक झील के किनारे किसी ब्रिटिश अधिकारी ने एक पक्षी को गोली मार दी थी। उससे नाराज ग्रामीणों ने तुरंत ही उस ब्रिटिश व्यक्ति को गांव से बाहर जाने पर मजबूर कर दिया। यह कहानी लोककथा बन गई और इसी ने मेनार के पक्षी प्रेम और संरक्षण की आधारशिला रखी। समय के साथ मेनार के लोगों ने अपने तालाबों (ब्रह्म तालाब, धंड तालाब और खेरोड़ा तालाब) को जीवंत वेटलैंड्स में बदल दिया। इनके प्रयास रंग लाए। मेनार को आधिकारिक तौर पर राजस्थान के पहले पक्षी गांव के रूप में मान्यता मिल गई और उसे रामसर साइट (अंतरराष्ट्रीय महत्व का वेट लैंड, जो जीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है) घोषित किया गया। मेनार को वर्ष 2023 में भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में भी शामिल किया गया।

जागरूक हैं स्थानीय निवासी: मेनार में पक्षियों को देखते हुए मेरी मुलाकात स्थानीय निवासी दर्शन मेनारिया से हुई, जो पक्षी-मित्र कहे जाते हैं। अपनी इस पहचान पर उन्हें गर्व है। हालांकि वह एक विद्यालय में अध्यापक

भी हैं। दर्शन कितना भी व्यस्त रहें, अगर उन्हें किसी पक्षी के चहचहाने की आवाज सुनाई पड़ती है तो वह पक्षियों के गीत सुनने में मगन हो जाते हैं। वे अपने छात्रों से भी कहते हैं कि पक्षियों के गीत को सुनो। जब छात्र पक्षी को देखेंगे और पहचानेंगे, तभी वे वास्तव में उनकी देखभाल करेंगे, उनके संरक्षण में अपना योगदान देंगे।

ऐसे किया जा रहा संरक्षण: मेनार में पक्षी संरक्षण केवल जागरूकता का विषय नहीं, वहां की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। यहां धार्मिक रीति-रिवाजों का आयोजन झील के किनारों पर किया जाता है ताकि मानव और प्रकृति का संबंध मजबूत किया जा सके। यहां मछली पकड़ने और गर्मी में की जाने वाली खेती को स्थानीय लोगों ने अपनी इच्छा से बंद कर दिया है ताकि पक्षियों के ठहरने की जगहों को सुरक्षित रखा जा सके। झीलों से पानी भी बहुत कम निकाला जाता है। ग्रामीण अपनी जरूरतों के साथ पक्षियों की जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखते हैं।

सरकारी प्रयासों की बात करें, तो राजस्थान वन विभाग द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त पक्षी-मित्र हाथ में बाइनोक्यूलर्स (दूरबीन) लेकर सुबह-शाम को झीलों की निगरानी करते हैं। वे यहां आने वाले पक्षियों की गतिविधियों, पलायन पैटर्न को ऑब्जर्व करते हैं और खतरे की स्थिति में सावधान करते हैं। इस स्थानीय निगरानी ने न केवल सामान्य जलमुर्गियों को सुरक्षित रखने में मदद की है बल्कि उन प्रजातियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिन पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है।

बन चुकी है डॉक्यूमेंट्री फिल्म: फिल्म मेकर गुंजन मेनन ने मेनार की कहानी को अपनी अवॉर्ड-विनिंग डॉक्यूमेंट्री 'विंग्स ऑफ होप' (उम्मीदों के पर) में भी प्रस्तुत किया है। वह इसे 'विश्वसनीय नेतृत्व की कहानी' कहती हैं। इस फिल्म में उन्होंने बताया कि जमीनी प्रयासों से वह हासिल किया जा सकता है, जो अकसर बड़े पैमाने की नीतियों या बड़े बजट से नहीं मिलता।

बहरहाल, मेनार गांव देश ही नहीं, दुनिया भर के पक्षी प्रेमियों के लिए मिसाल बन गया है। *

जब करें घने कोहरे में ड्राइविंग रखें इन बातों का खास ध्यान

सर्दी के मौसम में जब घना कोहरा छाया हो, तो विजिबिलिटी बहुत कम हो जाती है। ऐसे में ड्राइविंग बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। थोड़ी सावधानी और कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप धुंध वाले मौसम में भी सेफ ड्राइव कर सकते हैं।

सजगता
विवेक कुमार

हालांकि अभी बहुत अधिक ठंड नहीं हो रही है लेकिन आने वाले दिनों में इसमें इजाफा होगा। हाड़ कंपा देने वाली भीषण ठंड और घने कोहरे में वाहन चलाना बहुत चुनौती भरा काम होता है। देर रात में या पौ फटने से पहले सुबह के समय कोहरे के कारण जब विजिबिलिटी का स्तर कम हो जाता है, तब ड्राइविंग करना और मुश्किल होता है। ऐसे में अगर आपके लिए कहीं जाना बेहद जरूरी है और आप अपने वाहन से जा रहे हैं, तो घने कोहरे में सुरक्षित सफर के लिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

ड्राइविंग पर फोकस्ड रहें: ड्राइविंग करते समय मोबाइल फोन पर किसी से बात करना, बगल में या पीछे सीट पर बैठे व्यक्ति के साथ लगातार बात करना, म्यूजिक सुनना, इन

तमाम कामों से आपका फोकस ड्राइविंग से हट सकता है। घने कोहरे में अगर आप ड्राइविंग कर रहे हैं तो आपका ध्यान पूरी तरह ड्राइविंग पर ही केंद्रित रहना चाहिए। सामान्य दिनों में भी इस तरह की सावधानी बरतनी चाहिए।

स्पीड कम रखें: कोहरे में गाड़ी बहुत धीमी गति में चलानी चाहिए। इससे दुर्घटना होने की आशंका तो कम होती ही है, किसी भी तरह की दुर्घटना होने पर नुकसान ज्यादा नहीं होता है। अपने आगे चलने वाले वाहन के बीच पर्याप्त गैप रखते हुए धीरे-धीरे ड्राइव करें। इससे आपको अचानक ब्रेक लगाने या गति बदलने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है। कोहरे में गाड़ी ड्राइव करते समय अचानक अपनी लेन बदलने से भी बचें, क्योंकि विजिबिलिटी कम होने के कारण आपकी गाड़ी की गति और दिशा का अनुमान पीछे से आने वाले दूसरे वाहन का चालक नहीं लगा पाता है, इससे एक्सीडेंट की संभावना होती है।

सावधानी से गाड़ी मोड़ें: अगर आपको किसी मोड़ पर अपनी गाड़ी मोड़नी है तो अपनी गाड़ी की गति पहले से ही धीमी कर लें, क्योंकि कोहरे में बिल्कुल करीब की भी चीज दिखाई नहीं देती है। ऐसे में अगर गाड़ी मोड़ते समय गति तेज हुई तो दुर्घटना होने का डर रहता है। धुंध में ओवरटेकिंग करना बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि विजिबिलिटी बहुत कम होने से यह नहीं दिख पाता है कि आगे कोई वाहन है या नहीं और उसकी स्पीड कितनी है? इसलिए कोहरे में यथासंभव गाड़ी धीमे चलाएं और ओवर टेकिंग करने से बचें।

वाहन को रोक दें: यदि विजिबिलिटी बहुत ही कम हो, तो सड़क के किनारे सुरक्षित जगह पर गाड़ी को रोक कर थोड़ा कोहरा छंटने का इंतजार करना चाहिए। अपनी गाड़ी को जब सड़क पर किनारे खड़ा करें तो कार की हैजार्ड लाइट चालू रखें ताकि सड़क पर चलने वाले दूसरे वाहन आपकी कार को देख सकें और सुरक्षित तरीके से बगल से निकल जाएं।

विंडोज-विंड स्क्रीन को साफ रखें: घने कोहरे और ओस की बूंदों के कारण विंडोज और विंड स्क्रीन पर लगा सीसा बार-बार धुंधला हो जाता है। ऐसे में विजिबिलिटी और भी कम हो जाती है। इससे बचने के लिए बीच-बीच में वाइपर चलाते रहें। कार के हीटर ऑन कर वाहन के अंदर से ही इन

पर जमने वाली भाप को कम किया जा सकता है। अधिक दिक्कत होने पर गाड़ी से उतर कर साफ कपड़े से इन्हें साफ करना चाहिए।

रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाएं: अपनी कार के पीछे लाल रेट्रो रिफ्लेक्टर टेप लगवाने से आपके पीछे चलने वाले वाहन को आपके वाहन की स्थिति पता चलती रहती है। इससे दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और दुर्घटना की आशंका से भी बचा जा सकता है। *

नदी गाथा
वीना गौतम

वैसे तो जम्मू-कश्मीर में कई मनोहारी झीलें और नदियां हैं। इन्हीं में से एक तवी नदी न केवल अपने प्रवाह सौंदर्य के लिए, अपनी धार्मिक-सांस्कृतिक महत्ता और अपनी गोद में समेटे जैव विविधता के लिए भी जानी जाती है।

महज जलधारा ही नहीं जम्मू की सांस्कृतिक आत्मा है तवी नदी

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदियों के किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं और संस्कृतियां फली-फूली हैं। धरती पर नदियों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। लेकिन जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति आम लोगों की उदासीनता के चलते धरती पर जल संकट तो गहराया ही है, अब नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसलिए नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ियों को इनके प्रति संवेदनशील भी बनाना जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती पर इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फलती-फूलती रहे। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण और सुंदर नदी तवी, जम्मू शहर से होकर प्रवाहित होती है। जैसे किसी जीवंत शरीर में हृदय धड़कता है, वैसे ही जम्मू के लिए तवी की निरंतर बहती धारा है। यह नदी महज पानी की धार नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भावनात्मक पहचान का आधार स्तंभ है। स्थानीय डोगरा समाज में तवी को सूर्य पुत्री कहा जाता है यानी, एक ऐसी बेटी, जिसे सूर्य देव से जीवन मिला हो। यही उसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व का आधार माना जाता है।

नदी का उद्भव और प्रवाह: तवी नदी शिवालिक पर्वतों की गोद से जन्मती है। सुधमाह महादेव के निकट डोडा जिले के कैलाश कुंड ग्लेशियर से इसका उद्गम माना जाता है।

तवी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू का मनोरम दृश्य

4,220 मीटर की ऊंचाई से उतरकर यह नदी 141 किलोमीटर का सफर तय करके अखनूर के पास चिनाब नदी में मिल जाती है। अपने प्रवाह में यह पहाड़ी पत्थरों, झाड़ियों, घास के मैदानों और घाटियों को चीरते हुए आगे बढ़ती है। तवी नदी का प्रवाह इसे एक युवा नदी के रूप में दर्शाता है। क्योंकि इसका प्रवाह तेज, पथरीला और जल स्वच्छ होता है। गर्मियों में चूंकि हिमालय में बर्फ पिघलती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसमें पानी बढ़ जाता है, जबकि सर्दियों में नदी शांत और सक्रिय हो जाती है। इन दोनों मौसमों के विपरीत मानसून के आते ही तवी का शक्तिशाली और प्रचंड रूप देखने को मिलता है।

पौराणिक-धार्मिक महत्ता भी है बहुत: तवी का स्थान केवल भूगोल में ही महत्वपूर्ण नहीं है, पौराणिक आख्यानों और लोक-साहित्य में भी यह रची बसी है। सूर्य पुत्री कही जाने वाली तवी की मान्यता, डोगरा राजवंश के इतिहास की सांस्कृतिक धुरी मानी जाती है। जम्मू का प्रतिष्ठित बहू-किला इसी नदी के किनारे स्थित है। इसी के किनारे स्थित बाग-ए-बहू बागीचा, महामाया मंदिर और उसके पास की घाटियां, तवी को सौंदर्य की देवी का दर्जा देती हैं। तवी की वजह से ही ये स्थल इस शहर की आकर्षक धरोहरों में शामिल हैं। प्राचीन मंदिरों, धार्मिक अनुष्ठानों में भी तवी नदी की भूमिका हमेशा रही है। डोगरा राज परिवार के संस्कार, पूजा-तीर्थ, अर्पण और पितृ श्रद्धा इसी नदी के तट पर संपन्न होती है। छठ पर्व, मकर संक्रांति, डोगरा मेलों और विशेष पूजा अर्चनाओं का केंद्र तवी नदी के तट ही होते हैं। शिवरात्रि में यहां विशेष उत्सव संपन्न होता है। डोगरी लोकगीतों में बार-बार तवी नदी का जिक्र आता है। यहां एक उक्ति बहुत प्रचलित है, 'तवी दे पाणियां वर्गे, सच्चे ने जम्मू दे लोग।' यानी तवी के पानी की तरह ही जम्मू के लोगों का मन भी निर्मल है। तवी जम्मू की आत्मा है। इसके रिवर फ्रंट, घाटों और हरित पट्टियों के माध्यम से यह नदी एक सांस्कृतिक स्थल के रूप में पुनर्जीवित हो रही है।

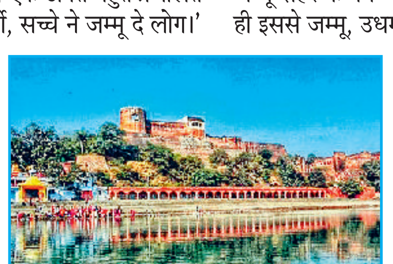

अखनूर फोर्ट के पास से प्रवाहमान तवी नदी

मौजूद है समृद्ध जैव विविधता: सिर्फ संस्कृति ही नहीं जम्मू क्षेत्र के पर्यावरण का भी मूल आधार तवी नदी ही है। इसकी घाटी में समृद्ध जैव विविधता पाई जाती है। देवदार, चीड़, शीशम, क्राप, पॉपुलर तथा अनेक औषधीय पेड़ इसके किनारे पनपते हैं और इसको समृद्ध वनस्पति स्थल बनाते हैं। इसी तरह तवी घाटी में हिमालयी लंगूर, पहाड़ी लोमड़ी, जंगली बिल्ली और काला भालू जैसे जीव जंतु भी पाए जाते हैं। इनके अलावा यहां किंग फिशर, उल्लू, बगुले, पहाड़ी गौरैया जैसे पक्षी इसकी जैव विविधता की गाथा कहते हैं। इसी में ट्राउट, महाशीर और क्रॉप जैसी मछलियों की भी उपस्थिति इसे खास बनाती है।

कई तरह से है उपयोगी: तवी का तेज प्रवाह इसका पथरीला तल इसे देश की दूसरी नदियों की अपेक्षा बेहद स्वच्छ रखता है। यह चिनाब की प्रमुख सहायक नदी है और सिंध प्रणाली में जल उपलब्धता बढ़ाने पर अपना योगदान देती है। इसके तलों पर उगने वाली घास और वृक्ष, नदी के कटाव को रोकते हैं और जैविक स्थिरता बनाए रखते हैं। शहर के मध्य से गुजरते समय इसका घुमावदार प्रवाह बहुत आकर्षक लगता है। यह जम्मू शहर के पेय जल की प्रमुख स्रोत है। साथ ही इससे जम्मू, उधमपुर और अखनूर जिलों की कृषि भूमि सिंचित होती है।

चुनौतियां हैं कई: हर नदी की तरह तवी के भी कुछ संकट हैं, जैसे शहर का बहने वाला नाला, कचरा और सीवेज इसे बीमार बनाता है। अवैध रेत खनन इसे घायल करता है और शहरीकरण का बढ़ता बोझ इसके विस्तार को छीनता जा रहा है, जो इसके जलस्तर में कमी का प्रमुख कारण बनता है। तवी महज एक नदी नहीं बल्कि जम्मू की सांस्कृतिक, भौगोलिक और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे इतिहास की धड़कन और संस्कृति की आत्मा कहते हैं। जम्मू शहर की इस पहचान को संरक्षित किया जाना बहुत आवश्यक है। *

बड़ा पर्दा
हेमंत पाल

श्याम बेनेगल की 'अंकुर' में दिखा जीवन यथार्थ

बिमल रॉय की यथार्थपरक फिल्म 'दो बीघा जमीन'

जीवन-समाज की सच्चाई दिखाता यथार्थपरक समानांतर सिनेमा

फिल्म निर्माण के शुरुआती दिनों से ही फिल्मकारों ने जीवन और सामाजिक यथार्थ को अपनी फिल्मों का विषय बनाना शुरू कर दिया था। हालांकि यह सामाजिक यथार्थ, पैरेलल सिनेमा में देखने को मिलता है। समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने वाले फिल्मकारों और हिंदी सिनेमा में इस ट्रेंड पर एक नजर।

भारतीय सिनेमा में यथार्थवाद की झलक बहुत पुरानी बात है। ऐसी फिल्मों की नींव सन 1920 से 30 के दशक में ही पड़ गई थी, जब 1925 में बाबूराव पेंटर ने अपनी मूक फिल्म 'सावकारी पाश' बनाई, जिसमें वी. शांताराम ने गरीब किसान का किरदार निभाया था। वह किसान अपनी जमीन एक साहूकार को देने के लिए मजबूर हो जाता है और गांव छोड़कर शहर में मिल मजदूर बन जाता है। इसे भारत की पहली समानांतर फिल्म माना जाता है। साल 1937 में महिलाओं की दुर्दशा पर बनी फिल्म 'दुनिया ना माने' को भी समानांतर फिल्म की श्रेणी में ही रखा जाता है। समानांतर सिनेमा यानी पैरेलल सिनेमा को 'आर्ट सिनेमा' या 'नया सिनेमा' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि हमारा समानांतर सिनेमा इटैलियन न्यू रियलिज्म, फ्रांस के फ्रेंच न्यू वेव और जापान के न्यू वेव सिनेमा से प्रभावित रहा है।

समानांतर सिनेमा ने ली नई करवट: शुरुआती 1920-30 के दशक में भले ही समानांतर सिनेमा बनाने के कुछ प्रयोग किए गए, लेकिन तब ये परंपरा कुछ खास आगे नहीं बढ़ सकी। सन 1940 से 1960 के दशक में समानांतर सिनेमा ने फिर से करवट ली। इस दौर में सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक, बिमल राय, मृणाल सेन, ख्वाजा अहमद अब्बास, चेतन आनंद, वी. शांताराम जैसे दिग्गज फिल्मकारों ने इसे पल्लवित किया। इनकी फिल्मों पर साहित्य की गहरी छाप देखने को मिलती है। चेतन आनंद ने 1946 में 'नीचा नगर' जैसी बेहतरीन फिल्म बनाई। कान फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म को 'ग्रांड प्रिक्स डू फेस्टिवल' पुरस्कार मिला। इस तरह कान फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी-'नीचा नगर'। समानांतर फिल्मों की इस परंपरा को श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी, अदूर गोपालकृष्णन, गिरीश कासरवल्ली, मृणाल सेन, ऋत्विक घटक जैसे फिल्मकारों ने आगे बढ़ाया।

दिखता है जीवन का यथार्थ: समानांतर सिनेमा में जीवन और समाज का यथार्थ बहुत गहराई से दिखाया जाता रहा है। यह हिंदी सिनेमा का वह पक्ष है, जिसमें आम आदमी के जीवन की जद्दोजहद, सामाजिक असमानता और बदलाव को दर्शाया जाता है। फिल्मों के कथानक में यथार्थ को पूरी शिद्दत के साथ प्रस्तुत करने का यह चलन 1950 के दशक में पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ और बाद में इसे हिंदी समेत हर भाषा के सिनेमा ने अपनाया। इसका मकसद जीवन के कठोर यथार्थ, समाज के हाशिए पर खड़े वर्गों, दलितों, महिलाओं और गरीबों की समस्याओं को दर्शकों के सामने लाना रहा, जिससे दर्शक खुद को जुड़ा महसूस करे। इन फिल्मों की यथार्थ परक कहानियां, आम लोगों की सामाजिक और आर्थिक जिंदगी से जुड़ी होती हैं। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, शहरी-ग्रामीण भेद, आर्थिक विषमताएं, जातिगत भेदभाव, स्त्री-पुरुष संबंध, नारी सशक्तिकरण जैसे मुद्दे समानांतर सिनेमा की पहचान रहे हैं। ये फिल्में पारंपरिक सिनेमा की तरह मनोरंजन या सपनों की दुनिया पर नहीं, बल्कि समाज की सच्चाइयों को विषय वस्तु बनाकर, बदलाव और सवाल उठाए जाने पर बल देती हैं। समानांतर सिनेमा का मकसद दर्शक को यथार्थ के करीब लाना और सांस्कृतिक-सामाजिक बदलाव की चेतना को जगाना रहा है। ये फिल्में भारतीय समाज के आइने का काम करती हैं।

दिखाई जाती है सामाजिक त्रासदी: समानांतर सिनेमा को जीवन का यथार्थ कहा जरूर जाता है, लेकिन यह आधा सच ही है। क्योंकि समानांतर सिनेमा का कैमरा हमेशा दमित और शोषित वर्ग पर ही फोकस होता रहा है। जबकि सिर्फ दमन और शोषण ही समाज का यथार्थ नहीं है। समाज के यथार्थ में खुशी और गम दोनों शामिल होते हैं। केवल त्रासदी और नकारात्मकता को ही समाज का यथार्थ नहीं माना जा सकता। यदि समाज के यथार्थ में जीवन के सभी पक्षों को शामिल किया जाए, तो ही समानांतर सिनेमा को यथार्थवादी सिनेमा कहना ज्यादा उचित होगा। यदि इसमें 'अंकुर' जैसी फिल्म शामिल है तो 'हम साथ साथ है' को भी शामिल किया जा सकता है।

इन फिल्मकारों का रहा बड़ा योगदान: समानांतर और यथार्थपरक फिल्मों की बात करें, तो इस परंपरा को समृद्ध करने में कई फिल्मकारों का बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1953 में आई बिमल रॉय की 'दो बीघा जमीन' ने समीक्षकों की प्रशंसा के साथ व्यावसायिक सफलता प्राप्त की थी। इसके बाद बिमल रॉय ने 'बिराज बहू', 'देवदास', 'सुजाता' और 'बंदिनी' जैसी यथार्थपरक फिल्में बनाईं। ऐसी फिल्में बनाने वाले फिल्मकारों में गुरुदत्त भी थे। उनकी फिल्म 'प्यासा' को हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म माना जाता है। अमेरिका की 'टाइम' पत्रिका ने इसे 'ऑल टाइम बेस्ट 100 फिल्म्स' में जगह दी है। समानांतर सिनेमा की नई शुरुआत 1969 में मृणाल सेन की फिल्म 'भुवन सोम' से माना जाता है। ऐसे ही श्याम बेनेगल 1973 में 'अंकुर' बनाकर समानांतर सिनेमा के नवसृजन के प्रमुख हस्ताक्षर बने। सन 1976 में मृणाल सेन ने 'मृगया' बनाई, जो मिथुन चक्रवर्ती की पहली फिल्म थी। श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'मंथन' और 'भूमिका', मणि कौल की 'उसकी रोटी' और 'दुविधा'। सत्यजीत रे की 'पाथेर पांचाली', 'शतरंज के खिलाड़ी', 'सद्गति'। इन सभी फिल्म मेकर्स का समानांतर सिनेमा को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। *